डाक पंजीयन नं. 99/2021—23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमाः चक दे इंडिया' से 'साइना' तक, महिला खिलाड़ियों पर बनी फिल्म

वर्ष -08 अंक -98 | प्रयागराज, बुधवार 22 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अग्निवीरों को इग्नू का तोहफा, स्नातक में तीन वर्षीय बीए और बीकॉम की मिलेगी डिग्री

नई दिल्ली। इगनू के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. श्रीकांत महापात्र ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पिछले दिनों अगिन्पथ योजना लांच की गई है। इसी के तहत थल, जल और वायु सेना में भर्ती होने वाले अगिन्वीरों के लिए यह सनतक डिग्री प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इगनू) द्वारा अगिन्वीरों को तीन वर्षीय बीए और बीकॉम की डिग्री ऑफर की जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत अगिन्वीरों के लिए इस डिग्री को विशेष रूप से डिजाइन किया जा रहा है। डिग्री एनईपी के तहत बेशक डिजाइन होगी, लेकिन इसमें रिसर्च व ऑनर्स का विकल्प नहीं होगा। तीन वर्षीय सनतक डिग्री प्रोग्राम कुल 120 क्रेडिट का होगा। इसमें 50 फीसदी क्रेडिट अगिन्वीर की संबंधित सेना के प्रशिक्षण का रहेगा। मतलब, 60 क्रेडिट अगिन्वीर की ट्रेनिंग से लेकर तीन साल की जॉब का हिस्सा होंगे। जबकि कोर्स की पढ़ाई व परीक्षा से उसे 60 क्रेडिट हासिल करने पड़ेंगे। खास बात है कि पहले साल की पढ़ाई पूरी करने पर सर्टिफिकेट, दूसरे साल के बाद डिप्लोमा और तीसरा साल पूरा करने पर डिग्री मिलेगी। अगिन्वीर को तीन साल की डिग्री पूरी करने के लिए छह साल का समय मिलेगा। इगनू के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. श्रीकांत महापात्र ने बताया कि भारत सरकार द्वारा पिछले दिनों अगिन्पथ योजना लांच की गई है। इसी के तहत थल, जल और वायु सेना में भर्ती होने वाले अगिन्वीरों के लिए यह सनतक डिग्री प्रोग्राम शुरू किया जा रहा है। यह सनतक डिग्री प्रोग्राम ब्लेंडेड मोड यानी मिश्रित मोड से चलेगा। इसका अर्थ है ऑनलाइन मोड के तहत वे कहीं से भी ऑनलाइन क्लासेस में पढ़ाई कर सकेंगे। इसके अलावा उम्मीदवार को साथ में प्रिंटिंग मेटिरियल भी दिया जाएगा, ताकि पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न हो। अगिन्वीर यदि बीच में दो या तीन साल बाद जॉब छोड़ता है।

बाइडन के साइकिल चलाने और गिरने पर ट्रंप का तंज बोले- मैं कभी नहीं चलाऊंगा

अमेरिका। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए बाइडन का नाम लिए बगैर कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह ठीक हो गए होंगे, क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, वह अपनी साइकिल से गिर गए थे। मैं आज आपसे यह वादा करता हूं कि मैं कभी भी साइकिल की सैर नहीं करूंगा।' पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों अमेरिका में 'फ्रीडम टूर' पर हैं। इसी दौरान एक एक रैली में उन्होंने राष्ट्रपति पैडल में उनका पैर फंस गया और वे लड़खड़ाकर गिर पड़े थे। इस पर तुरंत उनकी सुरक्षा में तैनात गार्ड्स ने उन्हें घेर लिया और उन्हें उठाने में मदद की। जब बाइडन से पूछा गया कि वे कैसे गिरे तो उन्होंने

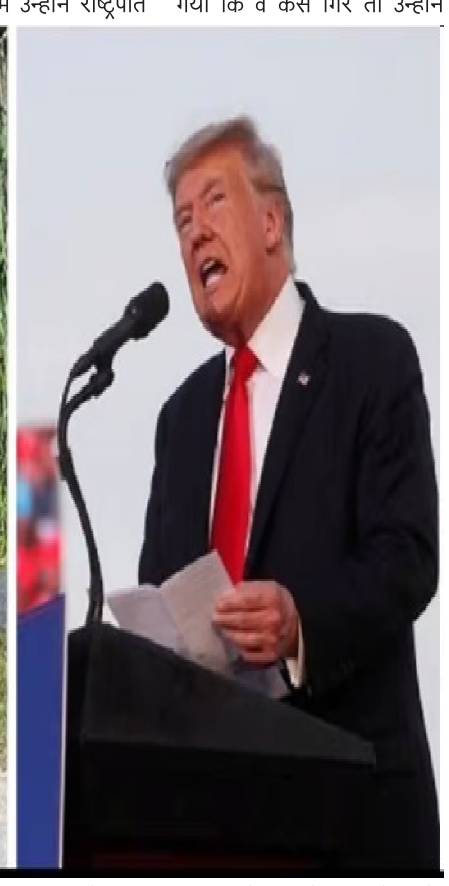

करता हूं कि मैं कभी भी साइकिल की सैर नहीं करूंगा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साइकिल चलाने और गिरने पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तंज कसा है। ट्रंप ने बाइडन के स्वस्थ होने की उम्मीद प्रकट करते हुए कहा, 'मैं कभी साइकिल नहीं चलाऊंगा' बाइडन हाल ही में अपने गृह राज्य डेलावेयर में छुट्टियां बिताने के दौरान साइकिल चलाते नजर आए थे, इसी दौरान उनकी साइकिल फिसलने से वे गिर गए थे। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए बाइडन का नाम लिए बगैर कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह ठीक हो गए होंगे, क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं, वह अपनी साइकिल से बाइडन पर तंज कसा। 'द हिल' ने उनके हवाले से यह रिपोर्ट दी है। बता दें, राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पिछले साल यूएस कैपिटल पर बड़े बवाल के बीच ट्रंप ने व्हाइट हाउस छोड़ा था। अपनी हार के बाद से वह बाइडन पर हमलावर हैं अमेरिकी राष्ट्रपति का पैर पैडल में फंस गया था शनिवार को बाइडन डेलावेयर राज्य के रेहोबोथ बीच पर अवकाश मनाने के लिए पतनी जिल बाइडन के साथ पहुंचे थे। यहां उन्होंने साइकिल भी की थी। उनके साथ कई अन्य लोग भी साइकिल चला रहे थे। साथ ही सुरक्षाकर्मी भी थे। साइकिल चलाते वक्त जैसे ही वे एक जगह रुके कहा था कि साइकिल के पैडल पैर फंस गया था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कोई चोंट नहीं आई है और वह ठीक हैं। पिछले माह एयरफोर्स वन की सीढि़यों पर लड़खड़ाए थे 79 वर्षीय बाइडन पिछले माह भी अमेरिकी वायुसेना के विमान 'एयरफोर्स वन' की सीढियां पर लड़खड़ा गए थे। इसी तरह की घटना पिछले साल अटलांटा में हुई थी तब बाइडन विमान की सीढि़यों से तीन बार ठोकर लगी थी। बाइडन के फिसलने का वीडियो ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप ने ट्वीट किया और सवाल दागा कि कब तक ये पुतिन को जिम्मेदार ठहराएंगे ।

भारत ने की काबुल में गुरुद्वारा हमले की निंदा, कहा- संयुक्त राष्ट्र को नफरत के खिलाफ उठानी चाहिए आवाज

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के काबुल में एक सिख गुरुद्वारे पर हुए आतंकी हमले पर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। इस 'कायरतापूर्ण' और 'नृशंस' हमले की निंदा करते हुए भारत ने संयुक्त राष्ट्र से कहा कि इस समय संयुक्त

राष्ट्र के सदस्यों को गैर-अब्राहम धर्मों के खिलाफ हो रही हिंसा की निंदा करनी चाहिए, जिसमें बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म और सिख धर्म भी शामिल हैं। साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में उच्च स्तरीय बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कड़े लहजे में कहा कि धर्म को लेकर चयनात्मक होना बंद करें। बता दें कि काबुल के बाग-ए-बाला इलाके में गुरुद्वारा में शनिवार को हुए कई धमाकों में एक सिख समेत दो लोगों की मौत हो गई थी। वहीं इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह ने घातक आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है।

27 जून के आसपास दिल्ली पहुंचेगा मानसून आज बारिश के आसार बुधवार से बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी सामान्य तिथि 27 जून के आसपास दिल्ली पहुंचेगा। मानसून सामान्य रूप से आगे बढ़ रहा है अभी यह नही लग रहा है कि इसकी आगे बढ़ने की प्रगति को रोक सकता

है। मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों में आगे बढ़ गया है। वहीं दिल्ली में अभी मंगलवार को हल्की बारिश की संभावना है। बुधवार से रविवार तक बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश का अनुमान नहीं है। वहीं, दिल्ली में बीते सप्ताह हुई तीन दिन की बारिश से सोमवार को भी मौसम सुहावना बना रहा। इस बारिश से 42-44 डिग्री के बीच चल रहा तापमान लुढ़कर 32 डिग्री आ पहुंचा है। वहीं लू के प्रकोप से भी राहत मिली है। अब मंगलवार को हल्की बारिश की संभावना है। इसके लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। लेकिन बुधवार से रविवार तक बारिश के आसार नहीं है। इस कारण तापमान भी बढ़ना शुरू होगा। इस दौरान तापमान 33-37 डिग्री के बीच बना रहेगा। सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री कम 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को अधिकतम तापमान नौ वर्षों में सबसे कम 30.7 डिग्री दर्ज हुआ था। यह सामान्य से आठ डिग्री कम रहा। दिल्ली में सबसे अधिक 34.9 डिग्री तापमान पीतमपुरा व नजफगढ़ में दर्ज किया गया। अब मंगलवार को तापमान 32 डिग्री रहने का अनुमान है। बुधवार से तापमान में बढ़ोतरी होनी शुरू होगी और रविवार तक तापमान 37 डिग्री तक पहुंच जाएगा। पूर्वानुमानः आंशिक रुप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमानः 32.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमानः 23.6 डिग्री सेल्सियस 21 जून को सूर्यास्तः शाम 7 बजकर 22 मिनट 22 जून को सूयीदयः सुबह 5 बजकर 24 मिनट।

दिल्ली में ऐसे मनाया गया योग दिवस, राष्ट्रपति से लेकर आम जनता तक ने किया योग

नई दिल्ली। पूरी दुनिया में 21 जून का दिन योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। योग के विशेष महत्व को दुनिया के सामने लाने के लिए आज का दिन इसके नाम किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी भी अक्सर योग के फायदे गिनाते नजर आते हैं।

इसी का असर है कि आज देश भर के कोने कोने में योग दिवस मनाया जा रहा है। तस्वीरों में देखिए राजधानी दिल्ली में कैसे मनाया गया योग दिवस -राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में योग दिवस मनाया। उन्होंने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय विरासत का एक हिस्सा है। मानवता के लिए भारत का उपहार, यह स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है, जो हमारे मन, शरीर और आत्मा को संतुलित करता है। इस मौके पर दिल्ली पुलिस के कमिशन्र राकेश अस्थाना ने भी पुलिसकमिर्यों और अधिकारियों के साथ योग किया।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रिय योग दिवस के मौके पर योग किया। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद भवन के परिसर में अन्य सांसदों के साथ योग किया। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने विभिन्न देशों के राजनयिकों के साथ पुराना किला परिसर में योग दिवस मनाया। दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस स्तिथ चरखा पार्क में योगा करते उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, सतीश उपाध्याय, कुलजीत चहल एवं अन्य। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली स्थित जंतर मंतर में योग करतीं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण। जामिया मिल्लिया इस्लामिया कैंपस में कुलपति प्रो. नजमा अख्तर समेत छात्रों और शिक्षकों ने किया योग।

अग्निपथ के विरोध के कारण नई दिल्ली से आवागमन करने वाली 597 रेलगाडियां प्रभावित

नई दिल्ली।अगिन्पथ योजना के विरोध में रेल सेवाएं प्रभावित होने का खामियाजा हजारों यात्रियों को भुगतना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में ट्रेनों के रद्द होने की वजह से सुबह से ही नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, सराय रोहिल्ला, निजामुद्दीन, पुरानी दिल्ली समेत दूसरे रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ रही अगिन्पथ योजना के खिलाफ देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए सोमवार दोपहर बाद 3.30 बजे तक 208 मेल एक्सप्रेस और 379 पैसेंजर ट्रेनें रद्द कर दी गई। इस दौरान चार मेल एक्सप्रेस और छह पैसेंजर ट्रेनों को आंशिक तौर पर रद्द कर दिया गया। किसी भी ट्रेन के मार्ग को परिवर्तित नहीं किया गया। इस आंदोलन के कारण सोमवार को दिल्ली से आवागमन करने वाली कुल 597 रेलगडियां प्रभावित हुई हैं। ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होने से सैकड़ों यात्रियों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा अगिन्पथ योजना के विरोध में रेल सेवाएं प्रभावित होने का खामियाजा हजारों यात्रियों को भुगतना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में ट्रेनों के रद्द होने की वजह से सुबह से ही नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, सराय रोहिल्ला, निजामुद्दीन, पुरानी दिल्ली समेत दूसरे रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ रही।

गोली से बच जाता मूसेवाला तो हैंड ग्रेनेड से होता हमला, गोल्डी बराड़ के इशारे पर मोनू डागर ने उपलब्ध करवाए थे हथियार

नई दिल्ली। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में गिरफ्तार में तीनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पिस्टल, कारतूस के अलावा हैंड ग्रेनेड और डेटोनेटर बरामद किए हैं। आरोपियों ने खुलासा किया कि गोल्डी के कहने पर फिलहाल पंजाब की जेल में बंद बदमाश मोनू डागर ने सिरसा में उन्हें विस्फोटक व हथियार उपलब्ध करवाए थे। दरअसल गोल्डी बराड़ हर कीमत पर मूसेवाला को मारना चाहता था। प्रियव्रत ने खुलासा किया है कि मूसेवाला गोलियों से बच जाता तो उसके वाहन पर हैंड ग्रेनेड के साथ दूर से मार करने के लिए ग्रेनेड लॉन्चर का भी इंतजाम किया गया था। वारदात के समय सारे हथियार बोलेरो गाड़ी में ही थे। वारदात के बाद आरोपी इन हथियारों को हिसार ले गए। प्रियव्रत ने बताया कि वह सीधे गोल्डी बराड़ के संपर्क में था। उसके कहने पर ही उसने अपनी टीम तैयार कर एक मॉड्यूल खड़ा किया। कशिश भी प्रियव्रत के कहने पर हत्याकांड में शामिल हुआ था। दूसरी ओर गैंग को आश्रय देने वाले केशव ने गोल्डी के इशारे पर रहने खाने-पीने और फरार कराने का इंतजाम किया था। पुलिस तीनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से गढ़ी-सिसाना, सोनीपत निवासी प्रियव्रत के खिलाफ हरियाणा में हत्या के दो मामले दर्ज हैं। एक मामले में वह वर्ष 2015 में गिरफ्तार हो गया था। इसके बाद उसने 2021 में सीसीटीवी फुटेज में एक साथ दिखे थे। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि कशिश के खिलाफ झज्जर में हत्या का एक मामला दर्ज है। वहीं मूलरूप से बठिंडा, पंजाब निवासी केशव कुमार ने गोल्डी

सोनीपत में भी एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। मूसेवाला हत्याकांड में एक मॉड्यूल की कमांड प्रियव्रत के पास थी। उसके साथ अंकित सिरसा और दीपक भी मौजूद थे। घटना वाले दिन कशिश और प्रियव्रत फतेहगढ़ के एक पेट्रोल पंप के के कहने पर प्रियव्रत और उसके शूटरों के लिए रहने का इंतजाम किया था। चूंकि केशव पंजाब का था। इसलिए सभी शूटरों ने हर बार केशव को साथ लेकर ही वारदात को अंजाम देने के लिए रैकी की थी। वारदात से पहले प्रियव्रत और उसके साथी केशव के पास ही मौजूद थे। जांच के दौरान पता चला कि केशव बठिंडा में 2020 में हत्या के मामले में शामिल रहा है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक लॉरेंस बिशनेई-गोल्डी बराड़, काला जठेड़ी और गोगी गैंग का गठजोड़ कई राज्यों के लिए चुनौती बन गया था। गैंग लगातार वारदात को अंजाम दे रहा था। इसे देखते हुए वर्ष 2021 में स्पेशल सेल ने लॉरेंस बिशनेई और काला जठेड़ी गैंग के खिलाफ मकोका का मामला दर्ज किया था। इस मामले की जांच के बाद पुलिस अब तक लॉरेंस बिशनेई, राजकुमार उर्फ राजू, संपत नेहरा, रविंदर सिंह, जगदीप उर्फ जग्गू, प्रियव्रत उर्फ काला, राहुल उर्फ सांगा, नरेश सेठी, अनिल लीला, अक्षय, सचिन उर्फ भांजा, संदीप उर्फ काला जठेड़ी, विरेंद्र प्रताप उर्फ ताला राणा, ओम प्रकाश उर्फ काला, दीपक उर्फ टीनू और बिंटू उर्फ मिंटू को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों ने मूसेवाला की हत्या को अंजाम बहुत ही पेशवर तरीके से दिया। हथियार किसी ने दिए थे, रैकी किसी और ने की और वारदात को किसी और ने अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि मूसेवाला की हत्या के लिए गोल्डी बराड़ के कहने पर मोनू डागर ने सिरसा में शूटरों को हथियार दिए थे।

डीएम ने भूतपूर्व सैनिको से मांगी मदद, अग्निपथ योजना के लाभ युवाओ को बताने को कहा

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने रविवार को संगम सभागार में भूतपूर्व सैनिको के साथ बैठक आयोजित की। जिसमें उन्होंने भूतपूर्व सैनिको से अगिन्पथ योजना के लाभ के बारे में युवाओ को जागरूक करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अगिन्पथ योजना युवाओ के हित के लिए ही बनायी गयी है। योजना के बारे में युवाओ को जागरूक करना आवश्यक है। जिससे वे योजना के लाभ के बारे में अच्छी तरह से समक्ष सके तथा योजना का लाभ उठा सकें। बैठक में भूतपूर्व सैनिको ने जिलाधिकारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि वह सभी प्रकार से सहयोग देने के लिए सदैव तत्पर है। कहा कि सम्पूर्ण प्रयागराज क्षेत्र में जहां भी सैनिक परिवार है, शासन एवं प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए शान्ति बनाये रखने में अपना पूर्व सहयोग प्रदान करेगे तथा युवाओ को जगह-जगह जाकर समझाने का प्रयास भी करेगे। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी भारतेन्द्र सिंह कवंर, भूतपूर्व सैनिक सुबेदार श्याम सुन्दर सिंह पटेल सहित काफी संख्या में भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहें।

हन्डौर में समाजसेवी ने पिलाया शरबत लोगों ने दी दुआएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। तहसील लालगंज के हन्डौर ग्राम के पूर्व प्रधान जयकरन सिंह स्मृति द्वार प्रतापगढ़-लखनऊ राजमार्ग पर समाजसेवी अभय प्रताप सिंह मुनन ने शरबत पिलाकर उनकी शुभकामनाएं एवं दुआएं ली। समय-समय पर समाज के लिए उपयोगी काम करने वाले अभय प्रताप सिंह मुनन ने लखनऊ-प्रतापगढ़ राजमार्ग पर आने जाने वाले सभी वाहनों को रोक कर अपने सभी सहयोगियों एवं परिजनों के साथ लोगों को शरबत पिलाया। उन्होंने कहा कि जनसेवा करना उन्होंने अपने पिता पूर्व प्रधान एवं जिला परिषद सदस्य जयकरन सिंह से सीखा है और वह सदैव जनसेवा में अपना जीवन बिताएंगे।भीषण गर्मी में शरबत पीकर लोगों ने उन्हें और उनके पूरे दल को सराहा और उन्हें अपने दुआएं दी। उनके साथ प्रधान नीतेश सिंह बीरू जो अभी हाल में ही ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में अपने कौशल एवं प्रतिभा द्वारा इस ग्राम पंचायत को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम में शामिल करवा कर इस ग्राम पंचायत के विकास में एक और कडी॰ जोड़ने में सफल हुए हैं वह भी सक्रिय भूमिका में रहे।इस अवसर पर पूर्व प्रधान पति मनोज सिंह,जगत बहादुर सिंह,अनंत बहादुर सिंह,क्षेत्र पंचायत सदस्य अभिनंदन सिंह किल्लू,विनोद सिंह,राघवेन्द्र प्रताप सिंह,राकेश सिंह बबलू,दिलीप सिंह,राजू सिंह, प्रवीण कुमार सिंह,सुधाकर सिंह,शिवम सिंह,साहिल सिंह आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्टः ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर सर्वे का आदेश देने वाले जज समेत 619 न्यायिक अधिकारियों का ट्रांसफर

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य के विभिनन्‍ जिलों में तैनात कुल 619 न्यायिक अधिकारियों का तबादला कर दिया। सभी ट्रांसफर न्यायिक अधिकारियों को 4 जुलाई को उनके वर्तमान पदस्थापन स्थान पर कार्यभार सौंपने के लिए कहा गया है।213 सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कैडर, 285 अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश कैडर, और 121 सिविल जज (सीनियर डिवीजन) कैडर सहित कुल 619 न्यायिक अधिकारियों को ट्रांसफर किया गया है।ट्रांसफर जजों की सूची में वाराणसी के जज रवि कुमार दिवाकर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) का नाम है, जिनको बरेली में ट्रांसफर दिया गया है।जज दिवाकर ने अप्रैल में, पांच महिलाओं द्वारा वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की पश्चिमी दीवार के पीछे हिंदू मंदिर में पूजा करने की मांग करते हुए दायर याचिकाओं पर ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वे का आदेश दिया था।गौरतलब है कि 16 मई को जब जज दिवाकर की अध्यक्षता वाली अदालत को बताया गया कि अदालत द्वारा नियुक्त एडवोकेट कमिशन्‍र ने सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अंदर शिव लिंग पाया है, तो उन्होंने संबंधित स्थान/क्षेत्र को सील करने का आदेश दिया था।गौरतलब है कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे जारी रखने के आदेश देते हुए उन्होंने अपने आदेश में सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी।वाराणसी कोर्ट के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर ने कहा था,इस साधारण से दीवानी मामले को असाधारण मामला बनाकर भय का माहौल बना दिया गया है।

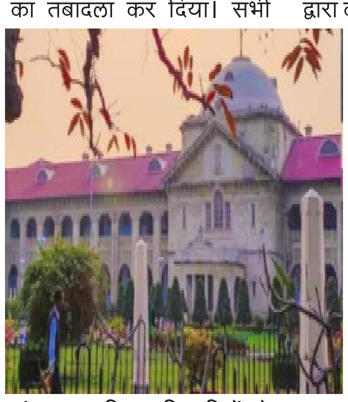

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रयागराज एवं स्वदेश सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 20 जून 2022 को तेलियरगंज के तिकोना पार्क में एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य एवं योग शिविर का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के उपलक्ष में किया गया इस शिविर का आयोजन एनसीडी सेल के नोडल अधिकारी श्रीआर.सी पांडे के नेतृत्व में किया गयात् जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती प्रज्ञा सिंह, सचिव डिस्टिक डिस्टिक लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, इलाहाबाद,सिविल जज सुश्री शालिनी जी एवं डॉ वीके मिश्रा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी थेत् कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नैदानिक मनोवैज्ञानिक जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, डॉ. ईशान्या राज एवं डॉ राकेश कुमार पासवान मनोचिकित्सक परामर्शदाता रहे योगा एक्सपर्ट एवं योग गुरुश्री ललित रंजन ने बच्चों को योग की उपयोगिता एवं योग आभास कराया कार्यक्रम का संचालन और आयोजन एवं श्री सचिन सिंह, अध्यक्ष स्वदेश सेवा संस्थान एवं डॉ. ईशान्या राज के संयुक्त प्रयास द्वारा किया गयात् टीम के अन्य मेंबरों ने महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज का।

गायक बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु 20 जुलाई तक नामांकन भेजे-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा मल्लिका-ए-गजल बेगम अख्तर की स्मृति में दादरा, ठुमरी, गजल विधाओं में प्रतिभावान गायक पुरस्कार हेतु अभ्यर्थी अपना नामांकन करवा लें। जिसकी आयु 40 वर्ष से कम न हो को बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है जिसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को रूपये 5 लाख की धनराशि, अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र भेंट स्वरूप प्रदान किया जाता है। बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु कलाकार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी अथवा उसकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश होना चाहिये। कलाकार को अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि के भरसक निर्विवाद मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होनी चाहिये। यह पुरस्कार कलाकार के गायन के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों के आधार पर प्रदान कया जायेगा न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिये। उन्होने बताया है कि बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु पात्र महानुभाव दिनांक 20 जुलाई तक मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से निर्धारित प्रारूप पर नामांकन हेतु आवेदन प्राप्त किये जायेगें। बेगम अख्तर पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप संस्कृति विभाग की वेबसाइट तथा जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ से प्राप्त कर सकते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अधिक से अधिक संख्या में करें प्रतिभाग जिलाधिकारी.............

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कैम्प कार्यालय सभागार में दिनांक 21 जून को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक की।बैठक में जिला आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद स्तर पर पुलिस लाइन परिसर के परेड ग्राउण्ड में प्रातः 6 बजे से प्रातः 7 बजे तक अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जा रहा है। परिसर में मंच, माइक, बैठने की व्यवस्था तथा पेयजल एवं पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। प्रशिक्षणाथिर्यों को योग प्रशिक्षण हेतु पतंजलि के सुविज्ञ प्रशिक्षक उपलब्ध रहेगें। पूरे जनपद में कालाकांकर एवं मानिकपुर गंगाघाट, समस्त बीज गोदामों पर, विकास खण्ड सभागार, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ग्राम पंचायत कार्यालय, विद्यालय/स्कूल स्तर, समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों, जिला कारागार सहित अन्य स्थानों पर प्रातः 6 बजे से प्रातः 7 बजे तक योग शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिनन्‍ प्रकार के योगाभ्यास कराये जायेगें एवं उसके लाभ के सम्बन्ध में जानकारी दी जायेगी। जनसामान्य को प्रशिक्षण की जानकारी देने हेतु होर्डिंग लगायी गयी है। जिलाधिकारी ने समाज के विभिनन्‍ आयु वर्ग के युवा, महिला, सरकारी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी, स्वयं सेवी संगठनों से अनुरोध किया है कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें। उन्होने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाये और सभी को इसके प्रति जागरूक करें। योग प्रशिक्षण के समय कोविड प्रोटोकॉल का भी अनुपालन अवश्य किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश सिंह, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, परियोजना निदेशक डीआरडीए आर0सी0 शर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डा0 सरोज शंकर राम, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानन्द, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षकों,विद्यार्थियों एवं बच्चों ने किया योगाभ्यास

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देशानुसार आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अमृत योग सप्ताह (दिनांक 14 जून से 20 जून तक) के तहत जनपद के माध्यमिक एवं बेसिक विद्यालयों में शिक्षकों, विद्यार्थियों/बच्चों तथा कृषि विभाग द्वारा समस्त बीज गोदामों पर लोगों ने योगाभ्यास किया जिसमें योग प्रशिक्षकों द्वारा योग के महत्व के विषय में जानकारी दी गयी। योग प्रशिक्षकों द्वारा भुजंगासन, मकरासन, भद्रासन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, ध्यान आदि का योगाभ्यास करवाया गया। विद्यालयों में नियमित योग क्रिया करने हेतु शिक्षकों और विद्याथिर्यों द्वारा शपथ लिया गया। विद्यालयों में बच्चों को नियमित योगाभ्यास करने के विभिनन्‍ लाभों के सम्बन्ध में बताया गया। दिनांक 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद स्तर पर पुलिस लाइन परिसर परेड ग्राउण्ड एवं अन्य स्थानों पर लोगों द्वारा योगाभ्यास किया जायेगा। योगाभ्यास कार्यक्रम में आमजन मानस बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करें और योग के लाभों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करें जिससे शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ्य रह सके।

स्कूल में कैरियर मार्गदर्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
इम्तियाज अली

प्रयागराज। कौशाकी सोंधी द्वारा मेंटर, इनोवेटर, इंटरनेशनल पब्लिक स्पीकर और शिक्षाविद् प्रिंसिपल होली पब्लिक गर्ल्स स्कूल, आगरा, बोर्ड ऑफ एडवाइजर भरत यूनिवर्सिटी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेकनेलॉजी, नारनारायण शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी, स्पोर्ट्स एकेडमी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सेफगार्डिंग चिल्ड्रेन सर्विस कमेटी, कोशाम्बी फाउंडेशन, स्मार्ट रोबोटिक्स लैब्स, मेंटर ऑफ चेंज न्छऊघ् आयोग- भारत सरकार, उपाध्यक्ष महिला अधिकारिता अखिल भारतीय मानवाधिकार परिषद, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय, शैक्षिक राजदूत अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप विश्वविद्यालय, महिला भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल में साइबर सुरक्षा। अकादमिक कैरियर मार्गदर्शन सबसे महत्वपूर्ण ज्ञान में से एक है जो छात्रों को अपने भविष्य को पूरा करने के लिए आवश्यक है। प्राथमिक छात्रों के जीवन एपिसोड की व्यवस्था का उनके करियर पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जो न केवल कठिन कौशल तक सीमित है बल्कि समय के साथ उत्पनन्‍ दृढ़ विश्वास तंत्र तक विस्तृत है। सही कैलिब्रेट सलाह छात्रों को उनके व्यक्तित्व कौशल, रुचि, क्षमता और के अनुसार करियर विकल्प चुनने में मदद करती है जागरूकता। माध्यमिक संपादन वरीयता के लिए बहुत अधिक एकाग्रता की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह मास्टर स्ट्रोक की सीढ़ी है, ताकि उन्हें गैल्वनाइज किया जा सके। करियर मार्गदर्शन व्यक्तिगत विशेषताओं का एक एध्ंऊ विश्लेषण है जो सलाहकार, छात्र की परिमाण और कमजोरियों के बारे में प्रमुख जानकारी प्रदान करता है और गुणात्मक मूल्यांकन के आधार पर चयन करने में उनकी सहायता करता है जो संकुचित दृष्टिकोण, मात्रात्मक मूल्यांकन जो व्यापक स्ट्रोक, आत्म-जागरूकता, योग्यता प्रदान करता है और संभावित। परामर्श तीन प्रकार के होते हैं, निर्देशात्मक, गैर-निर्देशक और वैकल्पिक चिकित्सा। माता-पिता के सहमति पत्र के साथ न तो बहुत अधिक सक्रिय और न ही बहुत निष्क्रिय होने और मध्यम मार्ग के दृष्टिकोण के संयोजन को शिक्षा के हमारे आज के अनछुए भविष्य में एक अतिरिक्त सेवा बना दिया जाना चाहिए, जहां छात्र कई पेशेवर पहलुओं और व्यापक प्रदर्शन के लिए खुले हैं। स्कूल में करियर मार्गदर्शन छात्रों को समावेशी करियर मूल्यांकन परीक्षण और मूल्यांकन द्वारा उनके आकर्षक क्षेत्र का सर्वेक्षण करके कैरियर पुस्तकालय प्रदान करता है और करियर परामर्शदाता द्वारा समर्थन प्रदान करता है। एक पेशेवर कैरियर मार्गदर्शन सलाहकार छात्रों को उनके लिए सबसे उपयुक्त करियर विकल्प खोजने का निर्देश देता है जो उनके लिए जीवन बदलने वाला मामला हो सकता है। मेंटर एक डॉक्टर की तरह होता है जो आसानी से समस्याओं की पहचान कर सकता है और उचित कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन कर सकता है। हम डिजिटल दुनिया में रहते हैं, ये सेवाएं ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं, जिन्हें स्कूल आसानी से चुन सकते हैं। यह अब एक आवश्यकता है। विभिनन्‍ परीक्षण आपकी कमियों का विश्लेषण करते हैं और सुझाव देते हैं कि आपके लिए सबसे अच्छा क्या है। कैरियर परामर्श अकादमिक कठिनाइयों में मदद करके छात्रों को विकसित करता है, बैकअप योजना तैयार करता है, अंत तक समर्थन, सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास द्वारा छात्र की सफेद लेबलिंग, आत्मविश्वास निर्माण और सपनों को शॉर्टलिस्ट करने और अन्वेषण करने और क्रिस्टल स्पष्ट दृष्टि रखने के लिए एक नया बॉक्स खोलता है पहुंच के भीतर विशेषाधिकार प्राप्त और सुरुचिपूर्ण व्यवहार्यता उचित शोध और आधारभूत कार्य। हमें छात्रों और संबंधित माता-पिता के लिए लागत प्रभावी, व्यापक, निष्पक्ष और समावेशी करियर मार्गदर्शन और ड्रिलिंग प्रदान करने के लिए स्कूलों की आवश्यकता है जैसे छात्र कैरियर के लिए कार्य योजना तैयार करना, छात्रों को कार्यशाला देना, सॉफ्ट कौशल विकास, नेतृत्व वृद्धि, छात्रों को महारत हासिल करना ग्राउंड ब्रेकर या इनोवेटर्स बनने के लिए, तैयारी कौशल को फिर से शुरू करें। संस्थानों को उपयुक्त अग्रणी प्रकाश द्वारा करियर प्रबंधन का प्रस्ताव देना चाहिए, और छात्रों के दिमाग को शुरुआती चरण से ही तैयार करने के लिए आवश्यक स्कूल सेगमेंट में से एक होना चाहिए, जिसे वे आगे बढ़ाना चाहते हैं और क्या चाहते हैं

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

योग के दम पर 126 साल की उम्र में भी पूरी तरह स्वस्थ हैं बाबा शिवानंद खुद करते हैं अपने सारे काम

वाराणसी । 126 साल की उम्र में पद्मश्री सम्मान पाने वाले काशी के बाबा शिवानंद पूरी तरह से स्वस्थ हैं और नियमित दिनचर्या का सख्ती से पालन करते हैं। उनकी फुर्ती ऐसी कि देखने वाले दंग रह जाएं। वाराणसी के दुर्गाकुंड इलाके में स्थित आश्रम में तीसरी मंजिल पर स्थित कमरे में निवास करने वाले बाबा शिवानंद दिन में तीन से चार बार बिना किसी सहारे के सीढ़ियां चढ़ते और उतरते हैं। योग का महत्व समझना हो तो वाराणसी आएं और बाबा शिवानंद से मिलें। 126 साल की उम्र में भी पद्मश्री बाबा शिवानंद अपने सारे काम खुद करते हैं। स्वस्थ हैं और नियमित दिनचर्या का सख्ती से पालन करते हैं। बाबा शिवानंद की इतनी लंबी उम्र और अच्छी सेहत का श्रेय जाता है योग को। सूर्योदय से पहले बिस्तर छोड़ने वाले बाबा ने अपने जीवन का एक सदी से ज्यादा समय योग को दिया है। वाराणसी के कबीरनगर में वन बीएचके फ्लैट में रहने वाले बाबा शिवानंद का कहना है कि योग के जरिये इच्छाओं पर नियंत्रण की ताकत मिलती है। खुशहाल जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। बाल्यकाल से ही योग को अंगीकार करने वाले 126 वर्ष के स्वामी शिवानंद पूरी दुनिया में योग के ब्रांड एंबेसडर की तरह हैं। हाल ही में इन्हें पद्मश्री से विभूषित किया गया है। स्वामी शिवानंद से योग दिवस पर खास बातचीत के प्रमुख अंश। उत्तर- योग के साथ ही नियमित दिनचर्या का पालन बहुत जरूरी है। 126 वर्ष की उम्र में भी नियमित रूप से आधा घंटा योग करता हूं। पहले तीन घंटे और फिर उम्र बढ़ने के बाद दो घंटे योग करता रहा। मेरा मानना है कि जीवन में स्वस्थ रहने के लिए सभी को योग करना चाहिए। छह घंटे की नींद लेनी चाहिए। कम भोजन करना चाहिए, यह आप को स्वस्थ रखने में बड़ा योगदान देता है। योग का मतलब जोड़ना है तो इसे लेकर भ्रांति का सवाल ही नहीं है। सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह के लिए कोई भी योग कर सकता है।प्रशन- योग का कोई नुकसान भी है? इसके फायदे क्या हैं उत्तर- यदि आप अपनी खत्म न होने वाली इच्छाओं को नियंत्रित कर लेंगे तो आपका जीवन सुखमय हो जाएगा। यह योग के जरिये ही संभव हो सकता है। योग से नुकसान का तो सवाल ही नहीं है। जीवन को सुखमय बनाने में योग की भूमिका बेहद अहम है। इसलिए मेरा मूलमंत्र सिर्फ और सिर्फ योग है। योग के जरिये इच्छाओं पर नियंत्रण होता है। तनाव भरे इस दौर में हर कोई कभी न खत्म होने वाली इच्छाओं को लेकर चल रहा है। इसकी वजह से तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशन- योग क्या किसी खास धर्म से जुड़ा है? उत्तर- योग से धर्म और जाति का कोई मतलब ही नहीं है। धर्म और अन्य बातें तभी मायने रखतीं हैं, जब इंसान स्वस्थ रहता है। मैं सिर्फ और सिर्फ पूरे विश्व को स्वस्थ और फिट रहने का मंत्र देना चाहता हूं। धर्म और यह सब बातें मुझे समझ में नहीं आतीं। योग करने से हर धर्म, हर संप्रदाय के लोग स्वस्थ रहते हैं। योग स्वस्थ रहने का सबसे उत्तम माध्यम है और आज के दौर में योग हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रशन आप 126 साल की उम्र में भी इतने फिट कैसे हैं उत्तर- देखिए मैं बनारस आश्रम की दूसरी मंजिल पर रहता हूं और हर दिन चार से छह बार सीढ़ियां चढ़ता, उतरता हूं। सुबह आधे घंटे और शाम को थोड़ी देर योग से ही ऊर्जा मिलती है। योग व अपनी नियमित दिनचर्या की वजह से आज भी स्वस्थ हूं। हाल ही में देश के कुछ बड़े निजी अस्पतालों की तरफ से फुल बॉडी चेकअप भी किया गया था, जिसमें किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं मिली है। कोरोना के टीके को लेकर लोगों के मन में डर था, मगर मैंने सबसे पहले टीका लगवाया। टीका लगवाने के साथ योग करते रहने से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है। प्रशन- योग के लिए दिनचर्या में क्या कोई बदलाव करना पड़ता है आप क्या सलाह देना चाहेंगे उत्तर- सबसे पहले मैं कहना चाहूंगा कि नो ऑयल, ओनली बॉयल का मंत्र जीवन में उतारें। दिनचर्या में बदलाव नहीं, उसे सुव्यवस्थित करना पड़ता है। मैंने 126 साल की उम्र में भी अपनी दिनचर्या में बदलाव नहीं किया। सूर्योदय से पहले उठने के बाद नियमित दिनचर्या के साथ आधा घंटा योग अवश्य करें। हल्का भोजन लें। छह घंटे की नींद भी बहुत जरूरी है। आज की लाइफ स्टाइल है, रात में देर से सोना और सुबह देर से उठना। यह सही नहीं है। ज्यादा तेल मसाले का भोजन लोगों की समस्याओं को बढ़ाने वाला है। इससे बचें। प्रशन आपकी दिनचर्या क्या है? योग से कैसे आम आदमी अपनी जीवन शैली में बदलाव ला सकता है उत्तर- सुबह नियमित दिनचर्या के ठीक बाद आधा घंटा योग करता हूं। पूजा पाठ करने के बाद सुबह गर्म पानी पीता हूं। हल्के भोजन के बाद पूरे दिन काम करता हूं और शाम को थोड़ी देर फिर योग को समय देने के बाद उबला हुआ भोजन ग्रहण करता हूं। योग के जरिये व्यक्ति तनावमुक्त और दीर्घायु जीवन पा सकता है। इसके लिए दिनचर्या का पालन बेहद जरूरी है। मैंने बचपन से ही कुछ बुनियादी नियम अपनाए हैं। सबसे ऊपर मसालों से परहेज है। एकदम शुद्ध सात्विक उबली हुई चीजों का ही सेवन करता हूं। सोने के लिए गद्दे और पारंपरिक तकिये का इस्तेमाल नहीं करता हूं। जल्दी सो कर जल्दी उठने की आदत ही आपके जीवन को बेहतर बनाती है।

रिश्तों का खून मऊ में भतीजे ने ली मुंबई से आए चाचा की जान

मऊ। यूपी के मऊ जिले के गहनी गांव में सोमवार दोपहर एक युवक ने फावड़े से वार कर चाचा को मौत के घाट उतार दिया। जमीन के विवाद में खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। यूपी के मऊ जिले के गहनी गांव में सोमवार दोपहर जमीनी विवाद को लेकर एक युवक ने अपने चाचा पर फावड़े से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बीचबचाव में आई चचेरी बहनों को भी मारपीट कर घायल कर दिया। इस खौफनाक घटना से पूरे गांव में हड़कंप की स्थिति बन गई। ग्रामीण हतप्रभ हैं। मृतक पैतृक संपत्ति के बंटवारे के लिए 15 दिन पहले मुंबई से गांव आया था। हलधरपुर थाना क्षेत्र के गहनी गांव निवासी देवेंद्र सिंह (42) और विनोद सिंह सगे भाई है। दोनों के बीच जमीनी विवाद चला आ रहा है। जमीन बंटवारे की नीयत से मुंबई में काम कर परिवार का भरण पोषण करने वाले देवेंद्र 15 दिन पहले गांव आए थे। जमीन बंटवारे को लेकर दोनों पक्षों में सोमवार सुबह पंचायत भी हुई थी। तब दोनों पक्षों में आपसी सहमती बनी थी। लेकिन दोपहर में मामला बिगड़ गया। करीब एक देवेंद्र सिंह अपनी पतनी बीनू, दोनों बेटियां सोनाली (15) भूमि (12) और 8 वर्षीय पुत्र सननी के साथ अपने घर के बाहर बरामदे में बैठे थे। इसी बीच विनोद सिंह का पुत्र शुभम आया और घर के सामने लगे हैंडपंप से छेड़छाड़ करने लगा। इसे देखकर देवेंद्र ने जब विरोध किया तो वह अपशब्द बोलने लगा। विवाद बढ़ा तो आक्रोशित शुभम ने पास में रखे फावड़े से देवेंद्र सिंह के सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीचबचाव में बेटियां आईं तो भी हमलावर ने उन दोनों को भी मारपीट कर घायल कर दिया।

वाराणसी में चलती कार पर गिरा मकान का छज्जा, पति-पत्नी समेत 10 घायल इलाज कराने जा रहे थे अस्पताल

वाराणसी । के नक्खी घाट में मकान का छज्जा गिरने से 10 लोग घायल हो गए। वहीं मौके से गुजर रही एक कार भी मलबे की चपेट में आ गई। इसमें बैठे पति-पतनी समेत चार लोग घायल हो गए। वाराणसी के जैतपुरा क्षेत्र के नक्खी घाट में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। जर्जर मकान का छज्जा गिरने से 10 से लोग घायल हो गए। मलबे की चपेट में आने एक चलकी कार और दो बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। सभी घायलों को स्थानीय लोग और पुलिस ने कबीरचौरा और प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। वाराणसी के जैतपुरा क्षेत्र के नक्खी घाट में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। जर्जर मकान का छज्जा गिरने से 10 से लोग घायल हो गए। मलबे की चपेट में आने एक चलकी कार और दो बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। सभी घायलों को स्थानीय लोग और पुलिस ने कबीरचौरा और प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। छज्जे का मलबा जब कार पर गिरा तो इतनी तेज आवाज आई कि स्थानीय लोग दौड़े। यहां देखा तो कार आधे से पलटी हुई और काफी हद तक क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है। कार में फंसे लोग चिल्लाने लगे। हादसे में कार सवार सिंधौरा निवासी आलोक कुमार (36), उनकी पतनी सोनी (32), भाई दीपक (30), रिश्तेदार राकेश (34), और इंद्रजीत (31) कार में फंस गए स्थानीय लोगों ने आननफानन घायलों को कार से बाहर निकाला। इधर, सिरे गांव निवासी बाइक सवार वीरेंद्र कुमार (45), सारंग तालाब निवासी बाइक सवार विशाल जायसवाल (40), स्थानीय युवक जिशान (17) और मकान मालिक प्रदीप सोनकर के बच्चे सुधा (12) और बाबू 10 भी छज्जे के मलबे के नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर किसी प्रकार मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल ले गए। स्थानीय युवक की हालत गंभीर हादसे में स्थानीय युवक जिशान को सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों आईं हैं। वह पेशे से बुनकरी का काम करता है। मंडलीय अस्पताल में भर्ती जिशान की हालत गंभीर बनी हुई है। वन विभाग में तैनात आलोक इलाज के लिए जा रहे थे कैंसर अस्पताल हादसे में घायल कार सवार सिंधौरा निवासी आलोक कुमार हरदोई वन विभाग में तैनात हैं। परिवार के साथ वह बीएचयू स्थित महामना कैंसर हॉस्पिटल अपने इलाज के लिए जा रहे थे। कार उनका छोटा भाई दीपक चला रहा था। दीपक ने बताया कि रेलवे डॉट पुल के पास पहुंचते ही उनकी कार पर ऊपर कोई वजनी चीज गिरा। कार का रूफ टॉप टूट कर हमलोगों के शरीर पर आ गया। एक सेंकेड के लिए लगा कि अब नहीं बचेंगे। कार सवार सभी लोग घायल हैं। कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

भारत बंद को लेकर वाराणसी में अलर्ट, बसों के संचालन पर रोक सीमाओं पर पुलिसकर्मी मुस्तैद

वाराणसी ।अगिन्पथ योजना को लेकर सोमवार को भारत बंद को देखते हुए वाराणसी में पुलिस अलर्ट मोड में है। आंदोलनकारियों पर नजर रखी जा रही है। जिले की सीमाओं पर भी पुलिसकमिन्यों और पीएसी की तैनाती की गई है। अगिन्पथ योजना को लेकर सोमवार को भारत बंद को देखते हुए वाराणसी में पुलिस अलर्ट मोड में है। आंदोलनकारियों पर नजर रखी जा रही है। जिले की सीमाओं पर संदहा, चोलापुर आदी स्थानों पर बाहर से आ रही सरकारी और निजी बसों को जांच के बाद रवाना किया जा रहा है। जिन बसों रोका जा रहा है उनमें सवार यात्रियों को ऑटो से शहर में भेजा जा रहा है। संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। भारत बंद के चलते वाराणसी परिक्षेत्र की रोडवेज बसों का संचालन बंद है। परिसर की दुकानें भी बंद हैं। पुलिस प्रशासन की ओर रोडवेज परिसर से कैंट तक पैदल मार्च निकाला गया। शहर में प्राइवेट बसें भी नहीं चल रही हैं। पुलिस ने युवाओं के बारे में होटल संचालकों से तस्दीक की।निर्देशित किया कि होटलों का सीसीटीवी फुटेज दुरुस्त रहे और रजिस्टरों पर आने और जाने वालों का नाम जरूर दर्ज हो। बगैर आईडी के कमरा किसी को न दिया जाए। कैंट स्टेशन, वाराणसी सिटी और काशी, शिवपुर और बनारस स्टेशन पर पुलिस तैनात है। चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने सभी थानेदारों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी तरह की लापरवाही ठीक नहीं होगी। युवाओं को पुलिस ने किया नजरबंद अगिन्पथ के विरोध में लामबंद होने वाले युवाओं पर पुलिस की नजर है। 15 से अधिक युवाओं को पुलिस ने नजरबंद किया है। सेना भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं को एलआइन्यू रिपोर्ट के बाद नजरबंद किया गया है। रविवार को बैठक करते हुए संभ्रांत जनों से भी युवाओं को गुमराह होने से बचाने की अपील की। प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय की बढ़ाई गई सुरक्षा भेलूपुर, लंका और चितईपुर में फोर्स जगह-जगह मुस्तैद हैं। भेलूपुर स्थित पीएम के संसदीय कार्यालय के बाहर सुरक्षा और बढ़ा दी गई।

भी पुलिसकमिन्यों और पीएसी की तैनाती की गई है। अगिन्पथ योजना के विरोध में उग्र प्रदर्शनों के बीच आज भारत बंद का आह्वान किया गया है। जिसे लेकर वाराणसी में पुलिस-प्रशासन आज अलर्ट मोड में है। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने और लोगों को अफवाहों से बचने की अपील की गई है। रेलवे स्टेशनों सहित रोडवेज पर काफी फोर्स तैनात की गई है। वहीं, जिले की सीमाओं पर भी पुलिसकमिन्यों और पीएसी की तैनाती की गई है। शहर में प्रवेश के तमाम रास्तों पर पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है। कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी-आरपीएफ और सिगरा थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने फोर्स के संग मार्च किया। डाफी टोल प्लाजा, मोहनसराय , अमरा अखरी, भेलूपुर थाना अंतर्गत रहने वाले भाजपा के राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री व दक्षिणी विधायक नीलकंठ तिवारी, एमएलसी अशोक धवन के घर के बाहर पुलिसकर्मी भ्रमण कर कर रहे हैं। एसीपी भेलूपुर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि एहतियातन जनप्रतिनिधियों के घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मी मुस्तैद हैं। प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय के बाहर भी फोर्स बढ़ाई गई। डाफी टोल प्लाजा, बीएचयू सिंहद्वार, सामनेघाट इलाके में चौकी प्रभारी पुलिस कमिन्यों के साथ घूमकर शांति व्यवस्था की निगरानी में है। चितईपुर एसओ करौंदी आईटीआई, भिखारीपुर हाइडिल, नरायनपुर चौराहे पर लगातार पुलिस बल के साथ निगरानी करने कर रहे हैं।

आजमगढ़ में चुनाव प्रचार से अखिलेश यादव ने क्यों बनाई दूरी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने बताया कारण

आजमगढ़। लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान होने में अब बहुत ही कम दिन रह गए हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। यूपी की आजमगढ़ लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में जहां भाजपा ने मंत्रियों की पूरी फौज को मैदान में उतार दिया है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अभी तक चुनाव प्रचार से दूरी बना रखी है। आजमगढ़ चुनाव प्रचार के लिए जयंत चौधरी और आजम खां आ गए हैं लेकन सपा सुप्रीमो का अबतक इंतजार है। इसी बात को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तंज और निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को मालूम हो गया है कि आजमगढ़ में कमल खिलने वाला है। इसलिए वे यहां नहीं आ रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को शाहगढ़ में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर जम कर निशाना साधा। सपा,बसपा और कांग्रेस पर बोला हमला डिप्टी सीएम ने कहा कि विधानसभा चुनाव में आजमगढ़ से भाजपा को भले ही एक भी सीट न मिली हो लेकिन सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर ही योगी सरकार आजमगढ़ में भी विकास कार्य करा रही है। उन्होंने दावा किया कि 15 साल में होने वाले कार्यों को हम डेढ़ साल में कर के दिखाएंगे।प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश से गुंडाराज और भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम किया। अपराधियों की कमर तोड़ने को बुलडोजर चलवाया। आगे भी यह कवायद जारी रहेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन सपा-बसपा के साथ मिल कर गरीबी हटाने के बजाए गरीबों को मिटाने का काम किया गया। कांग्रेस, सपा और बसपा की सरकारों में मात्र 15 प्रतिशत धनराशि ही योजनाओं में खर्च होता था। 85 प्रतिशत धनराशि नेता हजम कर जाते थे। लेकिन वर्तमान सरकार में ऐसा नहीं है। प्रत्येक योजना की धनराशि उसी योजना में खर्च की जा रही है। उन्होंने कहा कि सपा का मतलब अब समाजवादी नहीं बल्कि समाप्तवादी पार्टी हो गया है। सपा के पूर्व विधायक ने थामा भाजपा का दामन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की चुनावी जनसभा में पूर्व सपा विधायक कल्पनाथ पासवान ने एक बार फिर से भाजपा का दामन थाम लिया। इसके अलावा बसपा नेता सिकंदर कुशवाहा भी भाजपा में शामिल हो गए। दोनों नेताओं ने दिनेश लाल यादव निरहुआ के लिए लोगों से समर्थन मांगा। कौन हैं कल्पनाथ पासवान कल्पनाथ पासवान भाजपा के पुराने नेता हैं। वे जनसंघ से एक बार विधायक भी रह चुके हैं। काफी लंबे समय तक भाजपा से जुड़े रहने के बाद उन्होंने सपा का दामन थाम लिया था। सपा के टिकट पर 2017 में मेंहनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और विधायक बने। लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने उनके स्थान पर पूजा सरोज को प्रत्याशी बनाया। जिससे वह काफी नाराज थे। सोमवार को जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शाहगढ़ में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे तो कल्पनाथ पास और बहुजन समाज पार्टी के सिकंदर कुशवाहा ने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। आजमगढ़ को नहीं बनने देंगे बाहरी लोगों की राजनैतिक नर्सरीः तलहा रशादी राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल ने आजमगढ़ उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली को समर्थन देने की घोषणा की है। सोमवार को बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली व राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल के प्रवक्ता तलहा रशादी द्वारा संयुक्त प्रेसवार्ता में इस बात की जानकारी दी गई। तलहा रशादी ने कहा कि राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल इस चुनाव में भाग नही ले रही है और हम तटस्थ थे। लेकिन पिछले चंद दिनों में जिस प्रकार से भाजपा व सपा द्वारा तुष्टीकरण और ध्रुवीकरण का माहौल बनाया जा रहा है। पूरे आजमगढ़ में दोनों दलों के बाहरी नेताओं ने जमघट लगाया हुआ है इससे एक बार फिर ये साफ है कि सपा-भाजपा दोनों दलों के लिए इस चुनाव में स्थानीय विकास कोई मुद्दा ही नहीं है। साथ ही बाहरी प्रत्याशियों को लड़ाकर दोनों दल आजमगढ़ को पॉलिटिक्ल टूरिज्म का अड्डा बना रहे हैं। क्या आजमगढ़ में कोई ऐसा नेता नहीं है, इन दलों के पास जो आजमगढ़ का नेतृत्व कर सके।

बलिया में सड़क पर शव रखकर रोकी रफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।जिले मे दबंगों की पिटाई से मौत की नींद सोये युवक का शव पहुंचते ही लोगों का आक्रोश फूट पड़ा और युवक का शव सड़क पर रखकर लोगों ने जाम लगा दिया। पीड़ित परिवार को मुआवजा तथा आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर उतरे लोगों ने करीब डेढ़ घंटे तक फेफना-रसड़ा मार्ग को जाम रखा, जो पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की सार्थक पहल पर समाप्त हो सका। गौरतलब हो कि गड़वार थाना क्षेत्र के सिंहाचंवर कलां गांव में जमीनी विवाद को लेकर शुक्रवार की देर शाम दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। इसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के राज मंगल गुप्ता (43), शिवमंगल गुप्ता (52) और कृष्णावती देवी (34) पतनी राजमंगल गुप्ता की बुरी तरह पिटाई कर दी। तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से चिकित्सकों ने राजमंगल को बीएचयू रेफर कर दिया। परिजन उन्हें बीएचयू ले गये, जहां उपचार के दौरान राजमंगल मौत हो गयी। इधर, गड़वार पुलिस ने घायल शिवमंगल की बेटी की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया। बताया जाता है कि पोस्टमार्टम के बाद रविवार को राजमंगल का शव गांव पहुंचा, जिसे फेफना-रसड़ा मुख्य मार्ग पर गांव के सामने रखकर लोगों ने जाम कर दिया। इससे आवागमन ठप हो गया। पीड़ित परिवार के पक्ष में खड़े लोग सरकारी मुआवजा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इसकी जानकारी होते ही गड़वार, फेफना आदि थानों की पुलिस पहुंच गयी। एसडीएम सदर जुनैद अहमद, सीओ प्रीति त्रिपाठी, तहसीलदार एसएन सरोज आदि भी पहुंच गये। एसडीएम ने बातचीत कर हर सम्भव मदद का भरोसा दिया, इसके बाद जाम समाप्त हो सका। इस मौके पर समग्र कान्दू वैश्य कल्याण समिति बलिया के उमेश चंद्र गुप्ता, मुकेश गुप्ता, रामबाबू गुप्ता, श्रवण कुमार गुप्ता, शैलेंद्र कुमार गुप्ता, सत्यदेव गुप्ता, श्रीभगवान गुप्ता, अविनाश गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में फंसे दक्षिण भारतीय यात्रियों के लिए पहल

वाराणसी । अगिन्पथ योजना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के कारण बड़ी संख्या में ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया। इस कारण काफी संख्या में दक्षिण भारतीय यात्री वाराणसी में ही फंस गए हैं अगिन्पथ योजना के विरोध को देखते हुए ट्रेनों के निरस्त होने से दक्षिण भारत के कई सैलानी वाराणसी में फंस गए हैं। उन्हें सकुशल घर पहुंचाने को रेलवे स्पेशल ट्रेन चला रहा है। इधर, काशी में फंसे हुए पर्यटकों के लिए जिला प्रशासन ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अनन्क्षेत्र में रविवार से भोजन का इंतजाम किया है। चेनन्ई से काशी दर्शन करने आए दक्षिण भारतीय सहित अन्य यात्रियों को सोमवार की रात काशी से रवाना किया जाएगा। कैंट रेलवे स्टेशन से सोमवार की रात आठ बजे वाराणसी-चेनन्ई स्पेशल ट्रेन चेनन्ई के लिए रवाना होगी। दक्षिण भारतीय यात्री सामान्य टिकट लेकर ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं।

पशु तस्करों द्वारा 32 गोवंश को वध हेतु लेजाते हुए गिरफ्तार किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । पुलिस उप महानिरीक्षक/ पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में गोवंश तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में

आज दिनांक 20.06.2022 को थाना पन्नूगंज, पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कठौता बन्धा के पास से वध हेतु बिहार ले जाये जा रहे कुल 32 राशि गोवंश को बरामद कर मुक्त कराया गया तथा मौके से 02 नफर अभियुक्तगण 01. रविकिशन पासवान पुत्र अंगद पासवान निवासी बाराडाड़, थाना मांची, जनपद सोनभद्र 02. सैफ खान पुत्र स्व0 महमूद खान निवासी हर्ष नगर, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया तथा 01 नफर अभियुक्त शौकत अली पुत्र स्व0 विग्गन निवासी बाराडाड़, थाना मांची, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 50 वर्ष जो झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-58/2022 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम एवं 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है। **गिरफ्तार अभियुक्तगणः-** 1. रविकिशन पासवान पुत्र अंगद पासवान निवासी बाराडाड़, थाना मांची, जनपद सोनभद्र। 2. सैफ खान पुत्र स्व0 महमूद खान निवासी हर्ष नगर, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। **बरामदगी का विवरण** 01. 32 राशि गोवंश (बरामद) **बरामद करने वाली पुलिस टीम** 1. प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 2. व030नि0 मनोज कुमार सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 3. 30नि0 आशीष कुमार सिंह, थाना पनन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 अनिलेश सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 5. आरक्षी बृजेश कुमार सिंह, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 6. आरक्षी फिरोज अहमद, थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र। 7. आरक्षी वेदप्रकाश यादव , थाना पन्नूगंज, जनपद सोनभद्र।

दो किलो चार सौ ग्राम गांजे के साथ एक अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा धर्मशाला चौराहे के पास से 01 नफर अभियुक्त लल्लू पुत्र मंगरु निवासी नागरपुर, थाना चुनार, जनपद मीरजापुर उम्र लगभग 30 वर्ष को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बंध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0- 443/ 2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया। **गिरफ्तार अभियुक्तगण -** 1- लल्लू पुत्र मंगरु निवासी नागरपुर, थाना चुनार, जनपद मीरजापुर। **बरामदगी का विवरण-** 1- कुल 02.4 किग्रा गांजा। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1- 30नि0 संजय कुमार सिंह, चौकी प्रभारी कस्बा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 2- आरक्षी कौशलेश सिंह, चौकी कस्बा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। 3- आरक्षी अजीत यादव, चौकी कस्बा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

मिर्जापुर। चुनार थाना क्षेत्र के धौहा गांव में रविवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। उसका शव कमरे में पंखे पर साड़ी के फंदे से लटकते हुए मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मायके वालों ने ससुरालियों पर आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस पति समेत तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। सोनभद्र जिले के करमा थाना क्षेत्र के सिवरविट टोला गणेशपुर गांव निवासी संतोष पटेल की पुत्री विभा पटेल का विवाह तीन वर्ष पूर्व चुनार थाना क्षेत्र के धौहा गांव निवासी ओमप्रकाश पटेल के पुत्र राकेश पटेल के साथ हुआ था। रविवार की रात विवाहिता परिवार के सदस्यों को खाना देने के बाद अपने डेढ़ वर्षीय पुत्र के साथ कमरे में सोने चली गयी। पति राकेश पटेल शीतल वाटर कंपनी में टैंकर चलाता है। पानी का टैंकर पहुंचाने के बाद अर्द्धरात्रि अपने घर खाना खाने पहुंचा तो देखा कि घर के अंदर पत्नी विभा (23) का शव साड़ी के सहारे पंखे से लटका था।। आनन-फानन में आस-पास के लोगों को इकट्ठा कर फंदे से लटक रहे पत्नी के शव को नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। मायके के लोगों को किसी अन्य रिश्तेदार से विवाहिता की मौत सूचना मिली। मायके वाले मौके पर पहुंचे। इस बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में विवाहिता के भाई सत्यम सिंह पटेल की तहरीर पर पुलिस ने पति राकेश पटेल, ससुर ओमप्रकाश व सास पवित्रा देवी के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन ने बताया कि मायके वालों की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आंधी-पानी में उड़े टिन शेड और छप्पर

मिर्जापुर। रविवार की रात आई आंधी और तेज बारिश के कारण सोमवार को कई मार्गों पर जल भराव हो गया। इसके चलते आवागमन प्रभावित रहा। आंधी में कई लोगों के घरों पर लगे टिन और छप्पर उड़ गए। पेड़ व उसकी डालियां टूटकर गिरने से सुबह कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित रहा। रविवार को तेज धूप, उमस के बीच देर रात अचानक मौसम का मिजाज

बदल गया। तेज आंधी के साथ ही जमकर बारिश हुई। आंधी के कारण रात में घरों से उड़े टिन और छप्पर काफी दूर जा गिरे। बारिश के चलते पूरी रात अधिकांश क्षेत्रों की बिजली गायब रही। अंधेरे में ही लोगों को रात गुजारनी पड़ी। सिटी विकास खंड के लाहंदीकला स्थित महावीर मंदिर से पहले कुछ लोगों के मकान व दुकान के सामने लगे टिन शेड उड़ गए। बेदौली न्याय पंचायत में कई स्थानों पर बिजली के तारों पर पेड़ गिरने से आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित रही। कछवां क्षेत्र में आंधी और पानी से लोगों की छतों से टिन शेड उड़ गए। सड़कों पर लगे होर्डिंग्स क्षतिग्रस्त हो गए। सड़क किनारे पेड़ की शाखाएं टूटकर गिरने से यातायात प्रभावित रहा। करसड़ा गांव निवासी मुकुटधारी बिंद के कच्चे मकान पर शीशम का पेड़ गिरने से अंदर सो रहे परिवार के लोग बाल-बाल बच गए। आंधी और पानी से आम सहित सब्जियों की फसलों का काफी नुकसान हुआ। हलिया क्षेत्र में आंधी और पानी से कई लोगों के टिन शेड उड़ गए और कुछ लोगों के कच्चे मकानों के छप्पर भी गिर गए। उधर, अमृत जल योजना व सीवर लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों के कारण स्टेशन रोड पर कीचड़ लग जाने से सोमवार को राहगीरों पर आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार की रात हुई बारिश के कारण सोमवार की सुबह स्टेशन मार्ग की सड़क कीचड़ से सनी रही। इसके चलते पीलीकोठी तिराहा से वाराणसी बस स्टैंड तक आवागमन में राहगीरों को कठिनाई का सामना करना पड़ा। रोडवेज बस स्टैंड गेट सहित परिसर में जगह-जगह जलभराव से यात्री परेशान रहे। उधर, रविवार की देर रात आंधी एवं बारिश के कारण आस्थाधाम में पटेगरा नाला पुल के नीचे जलभराव होने से आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सोमवार को सुबह आजमगढ़ से 16 सदस्यों के साथ विंध्याचल मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन करने आ रहे श्रद्धालुओं का वाहन पुल के नीचे जलभराव में फंसकर बंद हो गया। गहरे पानी में फंसे वाहन पर सवार लोग किसी तरह से बाहर निकलकर सुरक्षित ठिकाने पर पहुंचे। सुबह जेसीबी के सहारे किसी तरह से वाहन को बाहर निकाला गया। विंध्याचल धाम पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को शिवपुर फाटक का सहारा लेना पड़ रहा है। फाटक बंद होने से जाम की स्थिति बनी रही। उधर, नालियों की साफ-सफाई का काम नहीं होने के कारण विंध्याचल क्षेत्र में नगर पालिका प्रशासन की पोल खुल गई। जगह-जगह नाली और नालों में पानी भर जाने से गंदा पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है। विंध्य क्षेत्र के अधिकांश नालियों में सिल्ट जमा है। गंदे जल की निकासी नहीं हो पा रही है। इससे संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। हालांकि विंध्याचल धाम में अधिकारियों का काफिला रोज गुजर रहा था, लेकिन किसी का भी ध्यान इस तरफ नहीं गया। माता के दरबार में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर स्थानीय निवासियों में रोष व्याप्त है।

रेलवे पुल के नीचे जलजमाव से बढ़ी परेशानी, विंध्याचल जा रहे दर्शनार्थियों की गाड़ी फंसी

सोनभद्र। लंबे समय की प्रतीक्षा के बाद मिर्जापुर जिले में रविवार देर रात प्री मानसून की बारिश हुई। जिससे विंध्याचल क्षेत्र में कई जगह जलजमाव हो गया। पटेगरा रेलवे

पुल के नीचे जलजमाव से आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दूरदराज से विंध्याचल आने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन बाधित है। सोमवार सुबह आजमगढ़ के दर्शनाथिन्यों से भरी एक गाड़ी पटेगरा रेलवे पुल के नीचे जलजमाव में फंस गई। पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण पुल के नीचे ही गाड़ी बंद हो गई। अमृत योजना के अंतर्गत कार्य कर रही पोकलेन मशीन को मौके पर बुलाया गया। पोकलन की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी को बाहर निकाला गया। मरम्मत के बाद गाड़ी आगे के लिए रवाना हुई। इधर, विंध्याचल धाम पहुंचने के लिए शिवपुर फाटक का सहारा लेना पड़ रहा है। यहां रेल फाटक बंद होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही। विंध्य क्षेत्र में कई स्थानों पर जलजमाव की सूचना के बाद भी विभाग उदासीन बना हुआ है। पटेगरा नाला पुल के पास बारिश के दिनों में स्थिति बेहद खराब हो जाती है। हल्की बारिश में तो वाहन किसी प्रकार निकल जाते हैं लेकिन भारी बारिश के समय स्थिति विकट हो जाती है। ऐसे में वाहन स्वामियों और भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगिन्पथ योजना के विरोध में आज भारत बंद का मिर्जापुर जिले में कोई असर नहीं है।

पॉक्सो एक्टः दोषी माजिद खां को 10 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । 9 वर्ष पूर्व 9 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के प्रयास मामले में अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पॉक्सो सोनभद्र की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी माजिद खां को 10 वर्ष की कैद एवं 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि 50 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसकी 9 वर्षीय नाबालिग बेटी घर के बाहर खेल रही थी कि 10 जुलाई 2013 को शाम 8 बजे माजिद खां पुत्र स्व.नेसार खां निवासी वार्ड नम्बर 10 हमीदनगर, थाना राबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने अकेला पाकर उसके साथ जबरन

दुष्कर्म करने की कोशिश की। सूचना दे रहा हूं, आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर 10 जुलाई 2013 को पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया और विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर माजिद खां के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी माजिद खां को 10 वर्ष की कैद एवं 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वही अर्थदंड की समूची धनराशि 50 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह एडवोकेट ने बहस की।

मछली पालन के लिए अमृत सरोवर की नीलामी प्रक्रिया से रोष

मिर्जापुर। जमालपुर क्षेत्र में अमृत सरोवर के निर्माण पर सरकार की तरफ से लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस बीच आधे अधूरे तालाब का मत्स्य विभाग ने मछली पालन करने के बाबत नीलामी के लिए पेपर गजट कर दिया है। इससे अमृत सरोवर के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है। जल संचय के उद्देश्य से सरकार द्वारा अमृत सरोवर बनाने का निणन्य लिया गया है। इसके तहत चिह्नित ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर के लिए काम भी शुरू हो गया है। अभी बीस प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हुआ है कि तालाब को नीलाम करने के लिए मत्स्य विभाग की ओर से तालाब आवंटन की तिथि गजट कर दी गई है। क्षेत्र के केशवपुर माफी, डोमरी, जयपट्टी कला, पसही, हरदी सहजनी सहित करीब नौ ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर का चयन किया गया है और लगभग सभी पर कार्य भी शुरू हो चुका है। उधर, मत्स्य विभाग के इस कदम को लेकर अब यह कहा जाने लगा है कि लाखों रुपये खर्च कर तैयार अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन होगा। इसकी शिकायत जमालपुर ब्लाक के प्रधान संघ के अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह ने उपजिलाधिकारी चुनार नीरज पटेल व खंड विकास अधिकारी को पत्रक सौंपकर की है। उन्होंने नीलामी प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। कहा है कि जब तालाब में मछली पालन ही करना है तो नाम अमृत सरोवर क्यों रखा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष लेख

योग मनुष्य आत्माओं के लिए ईश्वरी उपहार है

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । जब आप योग करके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपने अंदर सकात्मक चिंतन की वृत्तियों का निर्माण करते हैं, जो आपका यह पुरुषार्थ समाज के लिए बहुत बड़ा सहयोग होता है। धन ,भौतिक वस्तुओं एवं साधनों से समाज के निर्बल लोगों का सहयोग करना सहज होता है। स्थूल साधनों से समाज के लोगों को सहयोग भी करना चाहिए। परंतु मानसिक रूप से निर्बल लोगों का धन और स्थूल साधनों से सहयोग की आवश्यकता नही होती है ।प्राय देखा जा रहा है कि भौतिक साधनों और सुविधाओं से संपनन्न लोग मानसिक रूप से निर्बल हो रहे हैं। सैकड़ों बुझे हुए दीपक मिलकर भी एक दीपक को प्रज्वलित नहीं कर सकते हैं। एक प्रज्ज्वलित दीपक ही सैकड़ों बुझे हुए दीपक को प्रज्वलित कर सकता है। इसी प्रकार नकारात्मक एवं निर्बल मानसिकता वाले लोग एक बेहतर समाज और सशक्त भारत के नव निर्माण में अपना योगदान नहीं दे सकते हैं ।सकारात्मक चिंतन वाला मनुष्य अपने आसपास मौजूद सैकड़ों हजारों नकारात्मक सोच और जीवन से निराश लोगों के जीवन में अपने सकारात्मक चिंतन से नई ऊर्जा का संचार करते हुए समाज की दशा और दिशा को बदल सकता है ।वर्तमान समय में जीवन में सकारात्मक सोच को विकसित करना एक चुनौती है क्योंकि हमारे आसपास का वातावरण नकारात्मक वायुमंडल से घिर गया है ।परंतु यह सहज और संभवहै।प्रायः हर एक व्यक्ति के मन में या तो स्वयं से या दूसरों से शिकायत है । इससे मनुष्य का जीवन नकारात्मक वातावरण से घिरने लगता है ।जीवन में सकारात्मक चिंतन का विकास केवल ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग के अभ्यास द्वारा ही किया जा सकता है। शारीरिक क्रियाओं पर आधारित योगाभ्यास से केवल हमारा शरीर तो स्वस्थ हो सकता है परंतु मन में केवल ज्ञान और विवेक के आधार पर ही सकारात्मक और स्वस्थ बनाना संभव है ।क्योंकि यह शरीर का कोई स्थूल अंग नहीं होता है। मन अति सूक्ष्म और चेतना का क्रियात्मक स्वरूप होता है ।अतः समाज का परोपकार करने के लिए योग से सबका सहयोग करे।करे योग रहे निरोग वर्तमान के युवा होते बच्चों और युवा पीढ़ी को अपने सपनों से किसी भी प्रकार से समझौता स्वीकार नहीं है ।इसके लिए वे सभी प्रकार की कीमत को चुकाने के लिए तैयार रहते हैं ।स्वास्थ्य की देखभाल और मानवीय संवेदनाओं का जीवन में विकास युवा पीढ़ी के युवा पीढ़ी के चिंतन के केंद्र से बाहर होता जा रहा है । इसका दुष्परिणाम हमारी युवा पीढ़ी को भुगतना पड़ रहा है ।विगत कुछ वर्षों में युवा में हार्ट-अटैक, मानसिक तनाव, अवसाद के कारण मृत्यु की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है। कई अभिनेताओं की हुई असामयिक मृत्यु ने जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। आखिर यह जीवन का लक्ष्य भी किस काम का है जिसमें जीवन की अंतिम यात्रा में शांति ना हो।जीवन काल में लंबे समय तक सक्रिय रहने के लिए बाल्यकाल से ही तन और मन को स्वस्थ बनाने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करना बहुत ही आवश्यक है । नियमित रूप से योग करने तथा सात्विक भोजन से विशेषकर मानसिक तनाव और उत्पनन्नहोने वाली असाध्य बीमारियों के कारण और असामयिक मृत्यु दर पर नियंत्रण पाना संभव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा कि 80ज्ञ् स्वास्थ्य संबंधी समस्या का कारण मनोदैहिक बीमारियां हैं। उदाहरण के लिए ,मानसिक तनाव के कारण ब्लड प्रेशर की बीमारी प्रारंभ में होती है। बाद में इसके कारण शुगर तथा लीवर और किडनी के फेल होने की बीमारी मृत्यु का कारण बन जाती है। निरोग रहने के लिए अपनी दिनचर्या में योग को सम्मिलित करना समय की मांग है। यह सत्य है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। भावनात्मक रूप जीवन में उतार- चढ़ाव आने पर शरीर में अनेक प्रकार के हानिकारक हार्मीन उत्पनन्न होते हैं।आधुनिक शोध से यह ज्ञात हुआ है कि असाध्य बीमारी कैंसर की उत्पत्ति का एक कारण मानसिक आघात भी है।योगः कर्मसु कौशलम् भौतिक समृद्धि और

उपलब्धियों के लिए जीवन में सक्रियता और कुशलता आवश्यक है। घोर स्पर्धा के वर्तमान युग में थोड़ा भी आलस्य जीवन में आगे बढ़ने के अवसरों को छीन लेता है ।जीवन में उननति के अवसरों के लिए कर्म में कुशलता और व्यवहार में सहजता अति आवश्यक है। आहार और दिनचर्या को व्यवस्थित करके ही वर्तमान स्पर्धा युग में टिकना संभव है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही जीवन में भारी तबाही का कारण बन सकती हैं इसलिए कर्म में कुशलता आवश्यक है ।गीता में स्पष्ट कहा गया है -'योग से कर्म में कुशलता आती हैं ।वर्तमान समय में मनुष्यो को कौशल विकास केंद्रों में प्रशिक्षण देकर कार्यकुशल बनाने का प्रयास किया जा रहा है ।परंतु ट्रेनिंग से एक सीमित सीमा तक ही कर्म में कुशलता लाना संभव हो पाता है। इसलिए कर्म में और असीमित कुशलता के लिए योग ही एकमात्र विकल्प है ।राजयोग के अभ्यास से मन में अंतर्निहित शक्तियों और चेतना के नए आयामों के विकास की नई संभावनाएं सदा बनी रहती है। इसलिए हाल ही के वर्षों में कारपोरेट सेक्टर व्यापारिक संस्थानों और कारखानों में काम करने वाले लोगों में योग के प्रति आकर्षण देखा जा रहा है। योग को दिनचर्या में नियमित रूप से सम्मिलित करने पर तनाव मुक्त होकर कर्म कुशलतापूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करना संभव है।मानवता के लिए योग योग में समस्त मानवता का कल्याण निहित है। योग किसी एक धर्म विशेष से संबंधित नहीं है। योग एक ऐसी क्रिया है जो प्रत्येक मनुष्य के तन और मन पर सार्वभौमिक रूप से प्रभाव डालती है ।योग हमारी आंतरिक सुरक्षा प्रणाली और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती हैं ।गीता में स्पष्ट कहा गया है - काम ,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार नर्क का द्वार है' अर्थात इन तीव्र नकारात्मक आवेगो के कारण हमारे तन और मन में रोग और शोक उत्पन्न होते हैं। नकारात्मक मनोदशा की अवस्था में धर्म के अनुकूल आचरण करना असंभव होता है।अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा राजयोग द्वारा जीवन में सकारात्मक मन की अनुभूति के लिए आयोजित विशेष योग कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए ईश्वरीय निमंत्रण है। राजयोग का अभ्यास और स्वयं परमात्मा द्वारा दिया गया ईश्वरी ज्ञान का नियमित अनुश्रवण आपके जीवन का कायाकल्प करने में समर्थ है ।योग के प्रयोग और सात्विक आहार का तन और मन पर चमत्कारी प्रभाव पड़ता है। राजयोग के जीवन में घटित हो रही तथा होने वाली घटनाओं का रहस्य स्पष्ट होने से जीवन सहज और व्यर्थ चिंतन और दुखों से मुक्त हो जाता है ।हमारे जीवन का नियंता कोई बाह्य शक्ति नहीं बल्कि हमारा मन ही है ।राजयोग मन को सहज साधने का विज्ञान है। आइय्ये,स्वयं के और मानवता के सुख में भविष्य के लिए राजयोग को अपने जीवनशैली में अपनाकर एक सशक्त और स्वर्णिम भारत के नवनिर्माण में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करें । सर्व मनुष्यात्माओं को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर परमात्मा की ओर से ईश्वरी संदेश है ।

द्रविड़ से लेकर पंत तक, दस कप्तानों के साथ खेल चुके हैं दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली। 37 साल की उम्र में भारतीय टीम में वापसी कर चुके हैं। आईपीएल 2022 में कमाल करने के बाद कार्तिक ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भी अच्छी बल्लेबाजी की है और अब कई दिग्गजों का मानना है कि टी20 विश्व कप में भी कार्तिक का खेलना तय है। दिनेश कार्तिक ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो लगातार टीम से अंदर से बाहर होते रहे, लेकिन कभी हार नहीं मानी। इसी जज्बे की वजह से कार्तिक फिर टीम इंडिया में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। कार्तिक अब तक दस भारतीय कप्तानों के साथ खेल चुके हैं और हार्दिक पांड्या 11वें भारतीय कप्तान होंगे, जिनकी अगुवाई में कार्तिक भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यहां हम उन सभी दस कप्तानों के बारे में बता रहे हैं। राहुल द्रविड़ ने 2003 से 2007 के बीच भारत की टेस्ट टीम की कमान संभाली और 25 मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, कप्तान के रूप में द्रविड़ का रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा और 2007 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी। वनडे में उन्होंने साल 2000 से 2007 के बीच कप्तानी का जिम्मा संभाला और इसी दौरान दिनेश कार्तिक ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। द्रविड़ अब भारतीय टीम के मुख्य कोच बन चुके हैं। सौरव गांगुली ने 2000 से 2005 के बीच कुल 49 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की थी। इस दौरान उन्होंने 21 मैचों में जीत दिलाई, जबकि 13 मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 15 टेस्ट मैच ड्रॉ हो गए थे। वहीं, वनडे में गांगुली ने 1999 से 2005 तक भारतीय टीम की अगुआई की और 146 मैचों में 76 में जीत हासिल की। 65 में उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा

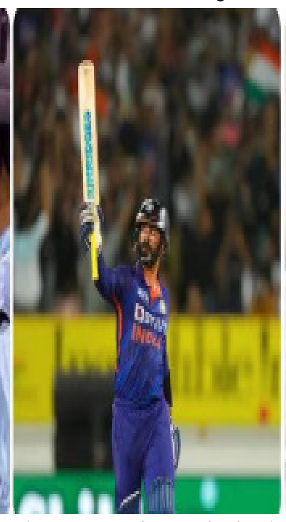

और पांच मैच बेनतीजा रहे। गांगुली अब बीसीसीआई के अध्यक्ष बन चुके हैं। सहवाग भारतीय टीम के नियमित कप्तान नहीं थे, लेकिन जरूरत पड़ने पर उन्होंने भी टीम की अगुआई की। सहवाग ने 2003 से 2012 के बीच 12 वनडे मैचों में भारत की कप्तानी की। भारत ने इसमें से सात मैच जीते और पांच में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान कार्तिक भी टीम इंडिया के सदस्य थे। सहवाग अब कमेंट्री करते हैं। अनिल कुंबले भी लंब समय तक भारत के कप्तान नहीं रहे थे। वो भारत के सबसे उम्रदराज कप्तानों में से एक हैं। कुंबले की कप्तानी में भारत ने 14 मैच खेले और तीन में जीत हासिल की। वहीं, पांच में टीम को हार का सामना करना पड़ा। छह मैच ड्रॉ रहे। कुंबले भारतीय टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं और फिलहाल आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम के मुख्य कोच हैं। भारत के सबसे सफल कप्तान माने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी की टीम में भी दिनेश कार्तिक ने कई मैच खेले। धोनी ने कुल 331 मैचों में भारत की कप्तानी की और 178 मैच जिताए, जिसमें 60 टेस्ट, 199 वनडे और 72 टी20 मैच शामिल हैं। उन्होंने 27 टेस्ट, 110 वनडे और 41 टी20 मैच में टीम इंडिया को जीत दिलाई। धोनी भी दो साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और सिर्फ आईपीएल खेल रहे हैं। विराट कोहली भी भारत के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। कोहली ने 66 टेस्ट मैच में कप्तानी करते हुए 39 में भारत को जीत दिलाई। वहीं, 95 वनडे मैच में विराट ने 65 अपनी टीम को जिताए। टी20 में 50 मैच में कप्तानी करने वाले विराट ने भारत को 30 में जीत दिलाई। विराट भी अब तीनों फॉर्मेट में कप्तानी छोड़ चुके हैं और बतौर बल्लेबाज खेल रहे हैं। सुरेश रैना भारत के नियमित कप्तान नहीं थे, लेकिन धोनी की गैरमौजूदगी में उन्होंने कई बार टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने नौ मैच खेले। इनमें से चार में जीत हासिल की, जबकी पांच में हार का सामना करना पड़ा। कार्तिक भी रैना की अगुआई वाली टीम का हिस्सा रहे। रैना भी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और इस बार आईपीएल में कमेंट्री करते नजर आए थे। भारत के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में भी दिनेश कार्तिक मैच खेल चुके हैं। दिनेश कार्तिक ने जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना करियर शुरू किया था। उस समय रोहित स्कूल के लिए क्रिकेट खेलते थे। अब रोहित टीम इंडिया के कप्तान बन चुके हैं, लेकिन कार्तिक अभी भी खेल रहे हैं। अजिंक्य रहाणे ने विराट कोहली के न रहने पर कई बार टेस्ट टीम की कमान संभाली है। वो टी20 में भी टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। कार्तिक भी रहाणे की टीम का हिस्सा रहे हैं। अब रहाणे तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वनडे और टी20 में उनकी वापसी की कोई संभावना भी नहीं है। हालांकि, कार्तिक टी20 खेल रहे हैं। भारत के सबसे युवा टी20 कप्तानों में से एक ऋषभ पंत ने हाल ही में भारतीय टीम की कमान संभाली और दिनेश कार्तिक ने इसी सीरीज में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। अब पंत की जगह टीम इंडिया में पक्की नहीं लग रही है, लेकिन कार्तिक का विश्व कप खेलना तय माना जा रहा है। हार्दिक पांड्या को आयरलैंड के दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करनी है और वो 11वें खिलाड़ी होंगे, जिनकी कप्तानी में दिनेश कार्तिक भारत के लिए कोई मैच खेलेंगे।

एक सीरीज के दौरान कितनी बदल गईं भारत-इंग्लैंड की टीमें, कप्तान से लेकर हेड कोच तक आए ये बदलाव

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खत्म होने के बाद टीम इंडिया की अगली चुनौती आयरलैंड और इंग्लैंड दौरा है। आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर एक टेस्ट और तीन-तीन टी-20 और वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। जो एकमात्र टेस्ट (पांचवां टेस्ट) खेला जाएगा, वह पिछले साल की सीरीज का एक मैच है। यह मैच एक जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इसका मतलब यह है कि 2021 में जब टीम इंडिया ने इंग्लैंड का दौरा किया था, तब उन्हें पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी थी। चार मैचों के बाद भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी और कोच कोरोना संक्रमित पाए गए थे। ऐसे में भारतीय टीम ने पांचवां टेस्ट खेलने से मना कर दिया था। तब इसको लेकर काफी विवाद भी हुआ था। भारतीय टीम चार टेस्ट के बाद सीरीज में 2-1 से आगे चल रही थी। इंग्लैंड का कहना था कि भारतीय टीम के पीछे हटने की वजह से सीरीज उनके नाम किया जाए। वहीं, बीसीसीआई ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद आईसीसी ने हस्तक्षेप किया और फिर निणन्य लिया गया कि एक साल बाद जब भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी, तो बाकी बचा एक टेस्ट खेला जाएगा। वही टेस्ट इस इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया खेलेगी। यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें जीत हासिल करने वाली टीम डब्लूयूटीसी फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत करेगी। पिछले एक साल में यह टेस्ट सीरीज अब तक अधूरी है और इस एक टेस्ट सीरीज के दरमियान न सिर्फ भारत बल्कि इंग्लैंड में भी कई चेहरे और किरदार बदल गए हैं। दोनों टीमों में कप्तान से लेकर हेड कोच तक कई खिलाड़ी बदल चुके हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।2021 में जब भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की शुरुआत हुई थी, तब भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली थे। हालांकि, अब टीम

इंडिया की कमान टेस्ट में रोहित शर्मा संभाल रहे हैं। इसी साल दक्षिण अफ्रीकी दौरे के बाद कोहली ने टेस्ट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद रोहित को कमान सौंपी गई। ऐसे में टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में लीड दिलाने का श्रेय कोहली को जाता है, लेकिन रोहित पर टीम इंडिया को सीरीज जिताने की जिम्मेदारी होगी।ठीक उसी प्रकार इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान का रोल केएल राहुल को सौंपा गया, जबकि पिछली बार 2021 में जब इस सीरीज की शुरुआत हुई थी, तो उपकप्तान अजिंक्य रहाणे थे। रहाणे अब टीम इंडिया का हिस्सा भी नहीं हैं। वैसे राहुल भी चोट की वजह से इस इंग्लैंड सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह ऋषभ पंत को उपकप्तान बनाया जा सकता है।वहीं, 2021 में भारतीय टीम के हेड कोच रवि शास्त्री थे। उनकी देखरेख में टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ महत्व 2-1 की बढ़त हासिल करने में कामयाब रही थी। हालांकि, पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद शास्त्री हेड कोच के पद से हट गए थे। इसके बाद राहुल द्रविड़ को हेड कोच बनाया गया।अब टीम इंडिया को जीत दिलाने की जिम्मेदारी द्रविड़ के मजबूत कंधों पर होगी। इसके अलावा तब के भारतीय स्क्वॉड में शामिल कुछ खिलाड़ी भी इस दौरे पर नहीं दिखेंगे। इनमें रहाणे के अलावा मयंक अग्रवाल, सूर्यकुमार यादव, पृथ्वी शॉ, अभिमन्यू ईश्वरन, अक्षर पटेल, ऋद्धिमान साहा, केएल राहुल और ईशांत शर्मा शामिल हैं।सिर्फ टीम इंडिया में नहीं बल्कि इंग्लैंड में कई चेहरे और किरदार बदले हैं। उस वक्त इंग्लैंड टीम के कप्तान जो रूट थे। वहीं, अब बेन स्टोक्स इंग्लिश टीम को लीड कर रहे हैं। इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन के बाद रूट को कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा। वहीं, सीरीज जब शुरू हुई थी तो इंग्लैंड के हेड कोच क्रिस सिल्वरवुड थे, जबकि अभी न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रैंडन मैकुलम टेस्ट टीम के हेड कोच हैं। इसके अलावा कई खिलाड़ी भी इंग्लैंड की टीम में बदले हैं।न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल रही इंग्लैंड की मौजूदा टेस्ट टीम की बात करें तो इस टीम में रोरी बर्न्स, जोस बटलर, हसीब हमीद, डेनियल लॉरेंस, डेविड मलान, सैम करन, क्रिस वोक्स, जॉनी बेयरस्टो, मार्क वुड और ओली रॉबिन्सन नहीं खेल रहे हैं।वहीं, ये सभी खिलाड़ी जब भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे पर गई थी तो इंग्लैंड के स्क्वॉड में मौजूद थे। हालांकि, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अब तक भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम की घोषणा नहीं की है। इनमें से कुछ खिलाडियों को स्क्वॉड में शामिल भी किया जा सकता है।

सुनील गावस्कर के पसंदीदा ओपनर हैं राहुल-रोहित, धवन को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। सुनील गावस्कर ने कहा है कि अगर लोकेश राहुल फिट हैं तो उन्हें कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, शिखर धवन को लेकर उन्होंने कहा कि अब टीम इंडिया में उनकी वापसी मुश्किल है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टी 20 विश्व कप को लेकर कई अहम बातों कही हैं। उन्होंने भारत की ओपनिंग जोड़ी को लेकर चर्चा की है और बताया है कि उनकी पसंदीदा ओपनिंग जोड़ी क्या होगी। इसके साथ ही गावस्कर टी20 मैच के लिए टीम इंडिया का चयन हुआ था और शिखर धवन को इस टीम में शामिल नहीं किया गया था। कोच द्रविड़ ने टीम का एलान करने से पहले धवन के साथ बात भी की थी और उन्हें बताया था कि उनका चयन नहीं होने वाला। इस सीरीज में ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ ने हर मैच में भारत के लिए पारी की शुरुआत की। हालांकि, ऋतुराज इस सीरीज में कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन किशन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। अब राहुल के फिट

ने कहा कि अब शिखर धवन के लिए टीम इंडिया में जगह बनाना बहुत मुश्किल होगा। गावस्कर के अनुसार अब चयनकर्ता धवन की बजाय युवा खिलाडि़यों को मौका देना चाहते हैं। इसी वजह से उन्हें टीम में नहीं चुना गया है। टी20 विश्व कप में राहुल के नहीं खेलने पर ईशान किशन या ऋतुराज गायकवाड़ को मौका दिया जाएगा। धवन अब टीम इंडिया में नहीं दिखेंगे। धवन 2014 और 2016 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। हालांकि, 2021 टी20 विश्व कप से पहले अच्छे प्रदर्शन के बावजूद धवन को टीम में नहीं रखा गया था। इसके बाद आईपीएल 2022 में भी धवन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि धवन को फिर से भारतीय टीम में मौका मिल सकता है। हालांकि, गावस्कर का मानना है कि अब धवन को भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिलेगा।आईपीएल के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच न होने पर ईशान किशन को मौका मिलना लगभग तय है। सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर शिखर धवन को मौका मिलना होता तो वो आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में खेल रहे होते और शायद टीम की कमान भी उनके ही हाथ में होती। अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में धवन की बजाय ऋतुराज और ईशान किशन को मौका मिलने से साफ है कि अब टीम में उनकी जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी इंग्लैंड गए हैं और धवन मैनेजमेंट के प्लान में होते तो वो भी इंग्लैंड के दौरे में टीम का हिस्सा होते। सुनील गावस्कर ने इसी दौरान कहा कि अगर लोकेश राहुल फिट हैं तो वो लोकेश राहुल और रोहित शर्मा को साथ भारत की पारी की शुरुआत कराना चाहेंगे। भारत को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्तूबर को खेलना है। हालांकि, टी20 विश्व कप 2022 की शुरुआत 16 अक्तूबर से हो रही है।

न्यूजीलैंड के लिए अगली तीन सीरीज में नहीं खेलेंगे कप्तान विलियम्सन साउदी-बोल्ट भी टीम से बाहर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अपनी टीम का एलान कर दिया है। इन तीनों देशों के खिलाफ सीरीज के लिए चुनी गई टीम में कप्तान केन विलियम्सन और कई सीनियर खिलाडि़यों को शामिल नहीं किया गया है। 10 जुलाई से आयरलैंड में शुरू हो रही तीन वनडे की सीरीज में टॉम लाथम न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे। वहीं, टी20 में स्पिन ऑलराउंडर मिशेल सैंटनर टीम के कप्तान होंगे। जुलाई के महीने में न्यूजीलैंड की टीम आठ टी20 मैच खेलेगी। इनमें से तीन मैच आयरलैंड, तीन मैच स्कॉटलैंड और दो मैच नीदरलैंड के खिलाफ होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि उसके लिए खिलाडि़यों का फिट रहना बहुत जरूरी है। इसी वजह से केन विलियम्सन, ट्रेंट बोल्ट, टिम साउदी और टॉम लाथम को आराम दिया गया है। ये चारों खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा थे और इसके ठीक बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने भी पहुंचे। मौजूदा समय में ये खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल हैं। ये चारों खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे

टेस्ट के बाद अपने घर लौट जाएंगे और पूरी संभावना है कि इन्हें अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ अगस्त में खेलना होगा, जब कीवी टीम सीमित ओवरों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। इस हिसाब से चारों खिलाडि़यों के पास आराम के लिए लगभग एक महीने का समय है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान शेन जर्गेसन न्यूजीलैंड के कोच होंगे। इस सीरीज में कोच गैरी स्टीड को भी आराम दिया गया है। हालांकि, इस सीरीज के बाद ही वो वापस लौटेंगे और मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके साथ पांच अतिरिक्त खिलाड़ी भी कीवी टीम में के साथ जुड़ेंगे। न्यूजीलैंड के साथ जुड़ने वाले खिलाडि़यों में बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मिशेल रिपन भी शामिल है, जो पांच साल पहले दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड आए थे और अब कीवी टीम का हिस्सा बन सकते हैं। टॉम लाथम (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेन क्लीवर, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गुप्टिल, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, हेनरी निकोलस, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सैंटनर, ईश सोढ़ी, ब्लेयर टिकर, विल यंग।

कोरोना की चपेट में आए अश्विन, टीम के साथ नहीं जा सके इंग्लैंड

नई दिल्ली। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन कोरोना की चपेट में आ गए हैं। इस कारण वह पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड रवाना हुए अपने टीम के

साथियों के साथ नहीं जा सके हैं। बीसीसीआई ने जानकारी दी कि अश्विन फिलहाल क्वारंटाइन में हैं और सभी प्रोटोकॉल आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद ही टीम में शामिल होंगे।बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि अश्विन टीम के साथ ब्रिटेन नहीं गए हैं क्योंकि जाने से पहले उनका कोविड-19 टेस्ट हुआ जिसमें वह संक्रमित पाए गए। लेकिन हमें उम्मीद है कि वह एक जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट मैच से पहले ठीक हो जाएंगे। कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर को छोड़कर बाकी सभी खिलाड़ी 16 जून को लंदन पहुंच चुके थे। वहीं, रोहित 18 जून को लंदन पहुंचे थे। अब सभी खिलाड़ी लीसेस्टर पहुंच चुके हैं। यहां टीम इंडिया 24 जून से काउंटी टीम लीसेस्टर के खिलाफ चार दिवसीय वार्म अप मैच खेलेगी। कोच द्रविड़, श्रेयस और पंत सोमवार को लीसेस्टर पहुंचे।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में रोहित शर्मा के साथ कौन करेगा ओपनिंग बीसीसीआई ने किया खुलासा

नई दिल्ली।इंग्लैंड दौरे के लिए केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन चोटिल होने की वजह से उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा। ऐसे में टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि पांचवें टेस्ट में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कौन करेगा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज समाप्त हो चुकी है। अब टीम इंडिया के सामने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की चुनौती है। आयरलैंड दौरे पर भारतीय टीम दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। वहीं, इंग्लैंड दौरे पर टीम एक टेस्ट और तीन-तीन मैचों की टी-20 और वनडे सीरीज खेलेगी। टेस्ट के लिए टीम इंडिया इंग्लैंड पहुंच चुकी है। कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर को छोड़कर बाकी सभी खिलाड़ी 16 जून को

लंदन पहुंच चुके थे। वहीं, रोहित 18 जून को लंदन पहुंचे थे। अब सभी खिलाड़ी लीसेस्टर पहुंच चुके हैं। यहां टीम इंडिया 24 जून से काउंटी टीम लीसेस्टर के खिलाफ चार दिवसीय वार्म अप मैच खेलेगी। कोच द्रविड़, श्रेयस और पंत सोमवार को लीसेस्टर पहुंचे। इंग्लैंड दौरे के लिए केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया था, लेकिन चोटिल होने की वजह से उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा। ऐसे में टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि पांचवें टेस्ट में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कौन करेगा। हालांकि, एक वीडियो पोस्ट कर बीसीसीआई ने इस मसले को भी सुलझा दिया है।बोर्ड ने इंडियन क्रिकेट टीम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो वीडियो पोस्ट किया है, उसमें रोहित और शुभमन गिल बैटिंग प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं।

राशिफल

मेष-:अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए निजी संबंधों का इस्तेमाल करना आपके जीवनसाथी को नाराज कर सकता है. ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें।

वृष-:आज कोई अच्छी जानकारी मिलने वाली है. आज आपको मिलने वाले अवसरों के लिए खुद को तैयार करें। आपकी महत्वाकांक्षाएं आज चरम पर होंगी।

मिथुन-:अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम करें. खर्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आय में वृद्धि से संतुलन बनेगा।

कर्क-:आज का दिन व्यस्त रहेगा। बेहतर होगा कि अपने प्रोजेक्ट का काम समय पर पूरा कर लें। जीवनसाथी के साथ आज आपका समय शांतिपूर्ण रहने वाला है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा।

सिंह-:मित्र के साथ गलतफहमी अप्रिय स्थिति पैदा कर सकती है, किसी भी निणन्य पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों को संतुलित दृष्टिकोण से जांच लें. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें।

कन्या-:आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है. आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा जिससे आप सफलता की ओर तेजी से बढ़ेंगे। ऐसी सभी चीजों से दूर रहें जो आपकी प्रगति में बाधक हैं।

तुला-:आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है. आप जिन लोगों के साथ रहते हैं, वे आपसे बहुत खुश नहीं होंगे, चाहे आपने इसके लिए कुछ भी किया हो। आपके काम में रुकावट आ सकती है।

वृश्चिक-:आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है. आज मन को व्यर्थ के विचारों में न भटकने दें। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं, उनके घर से शादी की बात शुरू हो सकती है।

धनु-:उदास और उदास न हों. आपके लिए आकर्षक निवेश योजनाओं के बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें, कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लें। दोस्त और परिवार आपको प्यार और सहयोग देंगे।

मकर-:आज आपका ईर्ष्यालु स्वभाव आपको दुखी और दुखी कर सकता है. दूसरों के सुख-दुःख बांटने की आदत विकसित करें। पिता के साथ तनाव दूर करने के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ-:धैर्य रखें, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे. यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

मीन-:आज का दिन यादगार रहने वाला है. एक समूह गतिविधि का नेतृत्व करेंगे। परिवार से जुड़ी परेशानियां आज खत्म होंगी। आप भी दूसरों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सम्पादकीय

समाज और धार्मिक सौहार्द्रः आखिर कैसे स्थापित होगी सामाजिक समरसता और शांति

भारत इन दिनों आपत्तियों और हिंसक प्रदर्शनों से जूझ रहा है। ये सब एक खबरिया चैनल के चर्चा कार्यक्रम से शुरू हुआ। ज्ञानवापी मंदिर मस्जिद प्रकरण में हो रहे बहस के बीच पैगम्बर मोहम्मद के बारे में एक उत्तेजनक बयान आया।यह बयान कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेत्री नूपुर शर्मा द्वारा दिया गया था। जिसके बाद से चारों तरफ तूफान उमड़ पड़ा है। सांस्कृतिक थाती विरासतों को उनके मूल रूप में लौटाये जाने का मुद्दा कही पीछे छूट चुका है। अब चर्चा में न काशी और ना ही मथुरा है।भारत इन दिनों आपत्तियों और हिंसक प्रदर्शनों से जूझ रहा है। ये सब एक खबरिया चैनल के चर्चा कार्यक्रम से शुरू हुआ। ज्ञानवापी मंदिर मस्जिद प्रकरण में हो रहे बहस के बीच पैगम्बर मोहम्मद के बारे में एक उत्तेजनापूर्ण बयान आया। यह बयान कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेत्री नूपुर शर्मा द्वारा दिया गया था। जिसके बाद से चारों तरफ तूफान उमड़ पड़ा है।सांस्कृतिक थाती विरासतों को उनके मूल रूप में लौटाए जाने का मुद्दा कही पीछे छूट चुका है। अब चर्चा में न काशी और ना ही मथुरा है। कश्मीर मे आए दिन हो रही हिंदुओं की सुनियोजित हत्या भी फिलहाल चर्चा का मुद्दा नहीं रहा। नूपुर के बयान के बाद केवल विमर्श ही नहीं बदला है बल्कि मुस्लिम देशों से हमारे रिश्तों में भी तल्खी आई है।सोशल मीडिया पर पूरे प्रकरण के ट्रेंड करने के बाद से इन मुल्कों में भारतीय उत्पादों का बहिष्कार और भारत एवं भारतीयों के प्रति दुर्भावना भी देखने को मिली है। ऐसे में भारत के सहयोग, आपसी व्यापार और कुशल भारतीय कामगारों के भरोसे चलने वाले मुल्क भी अब भारत पर सवाल खड़ा कर रहे है। इनमें भारतीय पर्यटक और पानी पर निर्भरता वाले मालदीव भी है।इधर, भारतीय खाद्य सामग्रियों के आवक और भारत में बेहतर स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने वाले मुल्क भी हैं। बाकियों को छोड़ दें तब भी अकसर प्रतिबंधों को झेलने वाले ईरान के साथ भारत सहयोग में खड़ा रहा है। मलेशिया से लेकर साउदी तक के हर मुस्लिम देश से भारत के व्यावसायिक रिश्ते रहे हैं। इंडोनेशिया से सांस्कृतिक तो मिस्र और तुकिन्या से गुटनिरपेक्ष आंदोलन का वर्षों पुराना नाता रहा है। जबकि बांग्लादेश का अस्तित्व अस्मिता ही भारत के दम पर है।भारत एक लोकतांत्रिक देश और धार्मिक स्वतंत्रता ये सभी देश जानते हैं की भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां सभी को अपने विचार रखने और अपनी आस्था के अनुसार उपासना की पूरी छूट है। इसके बावजूद इस बयान वे बहाने ये मुल्क भी भारत पर आक्रामक हैं। जबकि चीन से लेकर रूस तक मुस्लिम उत्पीड़न की खबरें अक्सर आती रहती हैं। चेचन्या और सिक्यांग में तो शासन द्वारा दमन एवं नरसंहार होते रहते हैं। इसके बावजूद मुसलमानों के रहनुमा खामोश रहते हैं।दरअसल, नागरिक अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मामलों में इस्लामिक मुल्कों का अतीत संदेह के घेरे में रहा है। ये सोच एवं व्यवहार के स्तर पर साम्यवादी चीन के समान है। अपने विचारों के अलावा किसी भी और धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधि की इजाजत नहीं देते हैं।दुबई और अबू धाबी जैसे अरेबियन नगर महज अपवाद हैं। जहां व्यापारिक उद्देश्यों के नाते बहुसांस्कृतिक गतिविधियों की सीमित छूट दी गई है। वैसे इस पूरे प्रकरण के कई पक्ष और आयाम हैं। ये विश्वव्यापी विरोध और हिंसक प्रदर्शन कतई स्वाभाविक नहीं है। इसे महज पाकिस्तान द्वारा रचा और मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी के बयानों से भड़काया बता खारिज नहीं किया जा सकता है। वास्तव में इसके पीछे के मानस को समझने बुझने की भी जरूरत है। अगर इसका विचार करें तो निश्चित रूप से इसके पीछे मुस्लिम संगठनों का बड़ा हाथ है।पहले इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डालकर प्रचारित किया गया। फिर कतर, कुवैत और ईरान की आपत्तियों को आधार बना कर लोगों को विरोध के लिए उकसाया गया। जहां बड़े मुस्लिम उलेमाओं ने इसके लिए माहौल बनाया। वहीं मौलवियों ने स्थानीय मस्जिद मदरसों के माध्यम से इसे हिंसक प्रदर्शनों मे बदल दिया, जिसकी परिणिति सर धर से कलम जैसे नारे हैं। आखिर एक लोकतांत्रिक देश में किसी समुदाय को लोगों की जान लेने का अधिकार कैसे है दरअसल, ये कोई पहली घटना नहीं है। देश कैसे कर सकता है।

कुरुक्षेत्रः राजनीति के 'अग्रिपथ' पर राहुल-प्रियंका से आगे निकले वरुण, बिना विरासत और संगठन के अकेले ही बन रहे हैं युवा ब्रांड

पिछले कुछ समय से वरुण ने आर्थिक तौर पर कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों और बेरोजगार युवाओं के हक की आवाज उठानी शुरू की। एक तरफ तो वह लगातार ट्वीट कर बेरोजगार युवाओं के मुद्दों को सार्वजनिक विमर्श में लाते रहे हैं और उनके लिए बेहतर नौकरियों के अवसर खोलने की मांग करते रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ वरुण उन जरूरतमंद युवाओं की आर्थिक मदद भी कर रहे हैं, जो किसी कारणवश प्रतियोगी परीक्षा देने के लिए जाने में असमर्थ हैं.. हिंदू-मुस्लिम विवाद, कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा कश्मीरी पंडितों और दूसरे लोगों की निशानदेही हत्याओं और पैगंबर मुहम्मद साहब को लेकर दो भाजपा प्रवक्ताओं द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणी और उसके बाद अरब देशों की तीखी प्रतिक्रिया और उसके दबाव में बयान देने वालों के खिलाफ कार्रवाई के बावजूद देश के कई हिस्सों में हिंसा के बाद देश का माहौल सेना में नई भर्ती नीति अगिन्पथ के विरोध की आवाजों से गर्म है। सरकार और सेना के अधिकारी विरोध की इस आंच पर अगिन्पथ योजना के तमाम फायदों के छींटे डालकर उसे ठंडा करने की कोशिश की है। इन सारे शोर शराबे के बीच नेहरू गांधी परिवार के तीनों सियासी वारिस

यानी तीनों गांधीवीर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और वरुण गांधी भी अपनी राजनीति के अगिन्पथ पर चल पड़े हैं। राहुल और प्रियंका जहां पिछली कई चुनावी विफलताओं की लहरों के थपेड़ों से डगमगाती कांग्रेस की जर्जर नाव को संभालने में जुटे हैं, वहीं वरुण भाजपा के भारी भरकम जहाज पर सवार तो हैं लेकिन सियासी तूफान की तमाम चुनौतियों का सामना खुद करने के लिए उस जहाज से अगर कूदना भी पड़े तो उसकी तैयारी उन्होंने शुरू कर दी है। जहां राहुल और प्रियंका के पीछे पूरी कांग्रेस पार्टी की ताकत है, वहीं वरुण खुद अपनी ताकत बन रहे हैं और युवा राजनीति के एक नए ध्रुव के रूप में उभर रहे हैं।

योग दिवस विशेषः योग तो सर्वजन कल्याण और 'भारत भाग्य विधाता' का प्रमाण है, इसे धार्मिक चश्मे से क्यों देखना

योग के इतिहास के बारे में पढ़ते-समझते ऋषि मुनियों, पुराणों और ग्रंथों का बार-बार जिक्र आता है, इसे ही आधार बनाकर समृद्ध योग को धार्मिक रंग देने का प्रयास किया जाता रहा है। यह कितना उचित-अनुचित है, यह आपके अपने विवेक पर निर्भर करता है। भारत के ऐतिहासिक विरासत की समृद्धता को लेकर कोई आपसे प्रशन करे तो उसे योग का उदाहरण दीजिएगा। दशमलव और शून्य की खोज के बारे में तो हमें बचपन से पढ़ाया जाता आ रहा है, पर क्या हमने अपने पाठ्यक्रमों में योग की महत्ता को वह दर्जा दिया? 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है, पर क्या यह सिर्फ एक इवेंट भर है जिसमें योग करते हुए फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर चिपका दिया जाए? बस कहानी खत्म? नहीं- योग को सीमित दायरों में बांधना संभव नहीं है।योग तो हमारे पूर्वजों द्वारा हमें दिया गया अतुलनीय उपहार है, हमारी वैश्विक पहचान, हमारा गर्व है। वैदिक युग की शुरुआत के साथ ही योग मानवता का हिस्सा बना। ऋषि-मुनियों ने इसके प्रभाव को समझते हुए लोगों को योग करने के लिए प्रेरित किया। उस काल में न तो मेडिकल साइंस था, न ही दवाइयां, एक योग ही था जो सुरक्षाकवच बनकर लोगों के संपूर्ण स्वास्थ्य की रक्षा करता था।समय बीता, देश पर बाहरी आक्रांताओं ने राज किया, उन्होंने उन सभी चीजों को लक्षित किया जो हमारी पहचान थीं, योग भी निशाने पर आया। लिहाजा आजादी के बाद हमने मेडिकल साइंस को बढ़ाने के लिए तो लाख प्रयास किए पर योग जैसी पुरातन और 'ब्रह्मास्त्रीय विज्ञान' की तरफ 2014 के पहले कितना ध्यान दिया गया ये किसी से छिपा नहीं है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस इस मामले में नरेंद्र मोदी सरकार 110 प्रतिशत तारीफ की काबिल है। इसमें न सिर्फ योग को नई दशा और दिशा मिली, साथ ही योग वैश्विक चर्चा का विषय बना। इसी क्रम में हम इस बार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की आठवीं सालगिरह है।8 साल पीछे चलें तो योग दिवस को लेकर भी देश में हर योजनाओं की तरह खूब विरोध हुआ, कारण वही राजनीतिक वोट बैंक। कहा गया योग वैदिक काल, मंत्रोच्चार, ध्यान, साधना जैसी क्रियाओं का समायोजन है, ऐसे में यह एक धर्म विशेष का विषय है। कुछ बुद्धिजीवियों ने कहा- योग को जीवनशैली में शामिल करा कर सरकार देश के अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को खत्म करने का प्रयास कर रही है। खैर, समय के साथ जैसे-जैसे इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर महत्व दिया जाने लगा, ऐसी आवाजें आनी बंद हो गईं।इन सबके बीच बड़ा सवाल यह खड़ा होता है, कि क्या जो योग सर्वजन स्वास्थ्य कल्याण की बात करता है, सबसे खास बात जो योग हमारी समृद्धि का सूचक है, 'भारत भाग्य विधाता' का प्रमाण है, उसे धर्म के चश्मे से देखना सही है? और अगर देखा जा रहा है तो क्या यह निमन्न मानसिकता का सूचक नहीं हैमाना जाता है कि योगाभ्यास की शुरुआत सभ्यता के साथ ही हुई थी। योग विद्या में, शिव को पहले योगी या आदि गुरु के रूप में देखा जाता है। पुराणों में जिक्र मिलता है कि कई हजार साल पहले, हिमालय में कांतिसरोवर झील के तट पर आदियोगी ने अपने गहन ज्ञान की शिक्षा सप्तषिर्यों को दी जिन्होंने इस शक्तिशाली योग विज्ञान को एशिया, मध्य पूर्व, उत्तरी और दक्षिण अमेरिका सहित दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया।सिंधु सरस्वती घाटी सभ्यता के मुहरों और जीवाश्म अवशेषों में भी योग के प्रमाण मिलते हैं। इसके अलावा वैदिक और उपनिषद विरासत, बौद्ध और जैन परंपराओं, महाभारत और रामायण महाकाव्य, शैव, वैष्णव आदि परंपराओं में भी योग और साधना का जिक्र मिलता है। यद्यपि पूर्व-वैदिक काल से ही योग का अभ्यास किया जाता रहा था, पर महान ऋषि महर्षि पतंजलि ने अपने योग सूत्रों के माध्यम से इसे व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महर्षि पतंजलि के बाद, कई ऋषियों और योग गुरुओं ने इसे प्रलेखित प्रथाओं और साहित्य के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया।चूंकि योग के इतिहास के बारे में पढ़ते-समझते ऋषि मुनियों, पुराणों और ग्रंथों का बार-बार जिक्र आता है, इसे ही आधार बनाकर समृद्ध योग को धार्मिक रंग देने का प्रयास किया जाता रहा है। यह कितना उचित-अनुचित है, यह आपके अपने विवेक पर निर्भर करता है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धिऋषि-मुनियों के बाद आधुनिक युग में योग के प्रचार-प्रसार की चर्चा प्रधानमंत्री मोदी के बिना अधूरी मानी जाएगी। 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राजनीतिक दृष्टि से क्या-क्या उपलब्धि हासिल कीं, इससे इतर इस सरकार की सबसे बड़ी कामयाबी योग को वैश्विक मंच पर न सिर्फ लाना, बल्कि पश्चिमी देशों को भी योग के प्रति आकर्षित कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत कराना है।27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री ने योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे अमेरिका ने मंजूरी दी। पहली बार 21 जून 2015 को पूरे विश्व में योग दिवस मनाया गया।योग को धार्मिक रंग देने का एक कारण यह भी रहा कि मोदी सरकार ने इसे वैश्विक मंच पर रखा। मोदी का मीडिया प्रोजेक्शन हमेशा से धर्म विशेष की तरफ झुकाव को लेकर किया जाता रहा है। बहरहाल इन सब से अलग, मुद्दे की बात यह है कि योग जैसी भारत के अतुलनीय विरासत को धार्मिक चश्मे से देखने, कुंठा और छोटी सोच के अलावा कुछ भी नहीं कहा जा सकता।ऐसा नहीं है कि योग को धार्मिक रंग सिर्फ भारत में ही देने का प्रयास किया जाता रहा है। साल 2012 में इंग्लैंड में कैथोलिक पादरी जॉन चांडलर ने योग प्रशिक्षक कोरी विटेल को चर्च परिसर के अंदर योग कक्षाएं आयोजित करने से प्रतिबंधित कर दिया था। पादरी का कहना था कि- योग हिंदू धार्मिक गतिविधि है और इसलिए कैथोलिक मान्यताओं में इसकी कोई जगह नहीं हो सकती।अमेरिका के पादरी योग के 'डोमेनिक' यानी कि राक्षसी मानते हैं। इसी तरह ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) के देशों जैसे उत्तर कोरिया, एस्टोनिया, नामीबिया, स्विट्जरलैंड, मोनाको, सोलोमन द्वीप और जाम्बिया ने भी योग दिवस के प्रस्ताव को धार्मिक बताकर स्वीकार नहीं किया है। लंदन में 'योगलंदन' नाम से एक योग प्रशिक्षण संस्थान है जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग योग करने के लिए आते हैं। योगलंदन की सह-संस्थापक रेबेका फ्रेंच कहती हैं- योग इतना व्यापक शब्द है कि यह स्वयं कठिनाई का कारण बनता है। योग को आप स्वास्थ्य कल्याण के नजरिए से देखें तो मानवता के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। जिस तरह से हम लोग इबादत करते हैं, वह किसी न किसी तरह से एक योग मुद्रा ही है, ऐसे में हम न चाहते हुए भी योग का अभ्यास कर ही रहे हैं। इसी तरह आयरलैंड के पूर्व प्रमुख रब्बी डेविड रोजेन कहते हैं- योग मानवता के लिए आशीर्वाद और दिव्यज्ञान की तरह है। सभी धर्म के लोगों को योग का अभ्यास करना चाहिए ये उनके ज्ञानवर्धन में विशेष महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे इतर इस्लामिक विशेषज्ञों का कहना है कि हमारे धर्म में अल्लाह की इबादत के अलावा किसी वस्तु विशेष जैसे सूर्य, वृक्ष. पर्वत आदि के सामने झुकना वर्जित है। वहीं एक रिपोर्ट में यूएस में रहनी वाली फरीदा हम्जा नाम की महिला का जिक्र मिलता है जो वर्षों से योग करते आ रही हैं। वह अपने ब्लॉग में लिखती हैं- शुरुआत में योग करने के बाद मुझे गिल्ट महसूस होता था कि मैं धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ जाकर क्या कर रही हूं, पर मुझे भरोसा है कि अल्लाह मेरे इरादों को समझते होंगे। मुझे नहीं समझ आता इसे धार्मिक रूप क्यों दिया जाता रहा है योग को लेकर ईरान का रुख, सभी धार्मिक रूढ.ियों को तोड़ता हुआ वैश्विक स्तर पर अनूठी मिसाल पेश करता है। ईरान शरिया कानून और इस्लामी राजनीतिक व्यवस्था वाला देश है, बावजूद इसके, वहां योग को लेकर लोगों में बड़ा आकर्षण और दिलचस्पी है। योग को वहां शारीरिक फिटनेस के हिस्से के तौर पर देखा जाता है। ईरानी योग फेडरेशन के जिम्मे देश में योग को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी है, यह फेडरेशन बिल्कुल उसी तरह से संचालित किया जाता रहा है जैसे कि टेनिस या फुटबॉल के संगठन करते हैं। अब तक हमने योग को लेकर चली आ रही सोच, इसपर वैश्विक स्तर पर विचार-मतभेद के बारे में जानने की कोशिश की। अब सवाल यह उठता है कि क्या योग सिर्फ आध्यात्म और वैदिक दुनिया तक ही सीमित है या फिर मेडिकल साइंस भी इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ को मान्यता देता है? जवाब है- हां, मेडिकल साइंस भी मानता है कि योगासनों की आदत बनाकर आप स्वस्थ रह सकते हैं। न सिर्फ स्वस्थ रह सकते हैं साथ ही कई ऐसी गंभीर बीमारियों के जोखिम से भी खुद को सुरक्षित रख सकते हैं, जिसके कारण पिछले एक दशक में मृत्युदर काफी बढ़ता हुआ देखा गया है। आंकड़े बताते हैं कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता मिलने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका में योग करने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। साल 2013 से 2017 के बीच संयुक्त राज्य में योग का अभ्यास करने वाले लोगों का प्रतिशत वयस्कों में 9.5झ् से बढ़कर 14.3झ् और बच्चों में 3.1झ् से बढ़कर 8.4झ् हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि योग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ को देखते हुए पिछले कुछ वर्षों में इसे अपनाने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पीएमसी जर्नल में साल 2017 में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि हठ योग का अभ्यास करना चिंता और तनाव विकार के शिकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। यह योग पढ़ाई करने वाले लोगों के लिए अधिक फायदेमंद पाया गया। इसी तरह साल 2010 के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि योग की आदत बनाकर मूड को ठीक रखने और अवसाद जैसे मनोरोग की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। डॉक्टर्स बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर गड़बड़ दिनचर्या के कारण 80 फीसदी से अधिक लोगों को पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत रहती है। यह दैनिक कार्यों को काफी कठिन बनाकर जीवन की गुणवत्ता तक को प्रभावित कर सकती है। साल 2017 के एक विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने पाया कि योग का अभ्यास को पीठ के निचले हिस्से में दर्द से राहत दिलाने में बेहतर ढंग से काम कर सकता है। वहीं अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन के एक अध्ययन से पता चलता है कि 12 सप्ताह तक योग का अभ्यास विकलांगता और दर्द की समस्या को कम करने में आपके लिए विशेष लाभप्रद हो सकता है। इसी तरह से अन्य अध्ययनों में विशेषज्ञों ने बताया है कि योग हृदय स्वास्थ्य मस्तिष्क की समस्याओं , प्रोस्टेट कैंसर और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। तो क्या अब भी योग को धर्म से जोड़कर देखेंगे आप इस लेख में हमने वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक में योग के बदलते परिदृश्यों के बारे में जानने की कोशिश की। हमने देखा कि भारत की यह अनूठी विरासत किस तरह से वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ रही है। मेडिकल साइंस ने भी तमाम अध्ययनों के आधार पर पुष्टि की है कि योग, धर्म से कहीं आगे बढ़कर विश्व कल्याण का विषय है। अगर आप अब भी रूढ.िवादिता के चलते योग को धर्म के चश्मे से देखने को विवश हैं, तो यह आपका विवेक है।डिस्क्लेमर (अस्वीकरण)ः यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है। अपने विचार हमें ॅतपजमत/ंउंत नरंसंण्बवउ पर भेज सकते हैं। लेख के साथ संक्षिप्त परिचय और फोटो भी संलग्न करें।

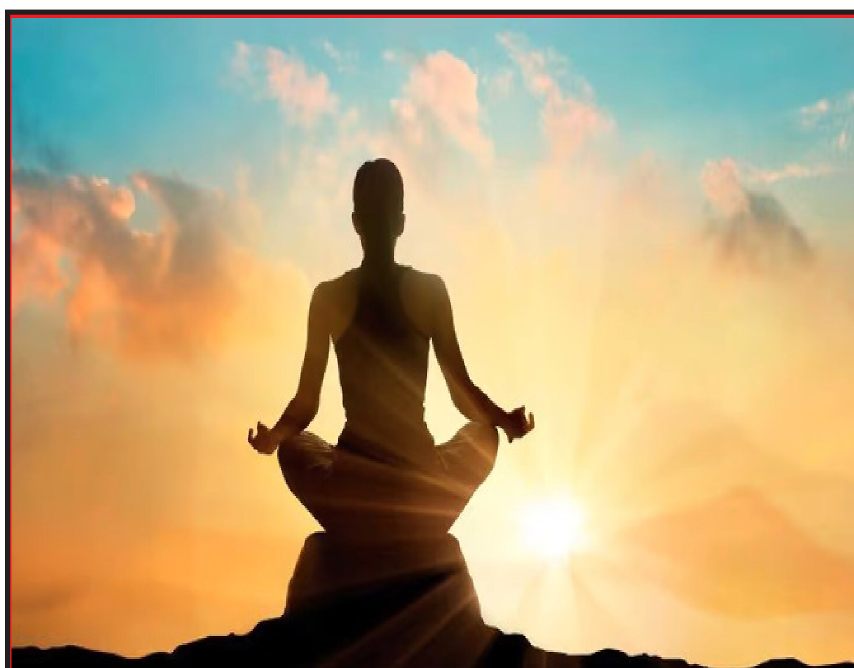

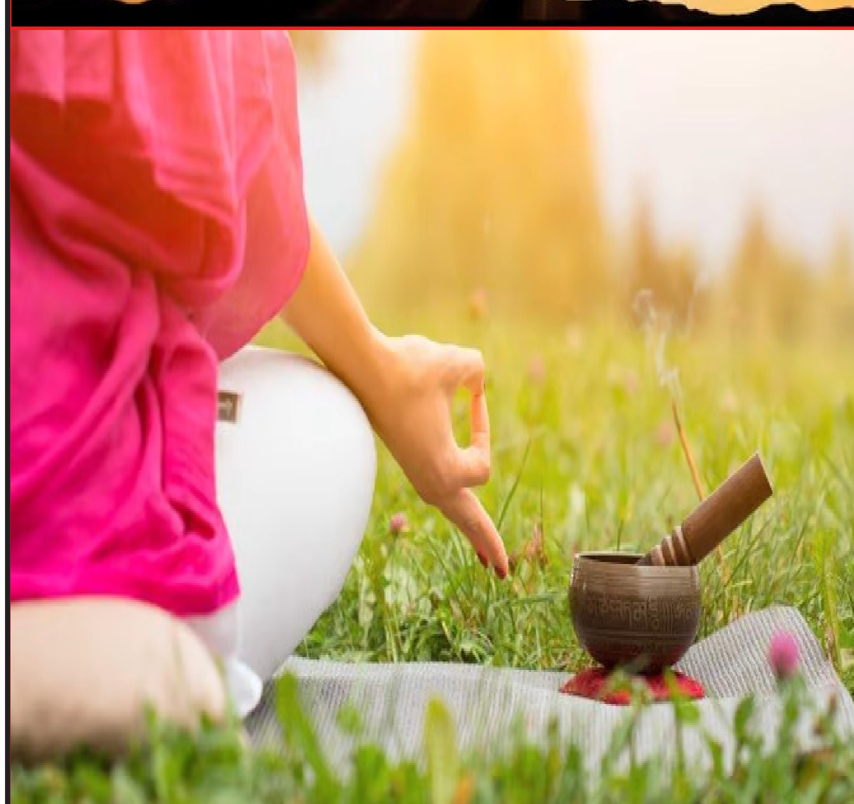

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के बैनर तले मैहर राजघराने की महारानी स्वर्णिम जूदेव ने दाखिल किया पर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ के अनुमोदन उपरांत जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने नगर पालिका परिषद मैहर और नगर पंचायतों के प्रत्याशियों की सूची जारी की है। जिनमें नगर पालिका परिषद मैहर के वार्ड क्रमांक 11 से महारानी स्वर्णिम राजे महाराज अक्षय राज सिंह जूदेव को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। वैसे तो मैहर के चुनावी दंगल में एक से बढ़कर एक धुरंधर प्रत्याशी चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं। सभी अपनी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जिनमें नई सोच युवा जोश के साथ कांग्रेस पार्टी ने मैहर किला राजघराने की सदस्य को वार्ड नंबर 11 से अपना उम्मीदवार बना टिकेट देकर युवा पीढ़ी, युवा सोच को बढ़ावा देने सहित विकाश की पर उम्मीद जताया है। निश्चित ही वार्ड वासियों का सहयोग और आशीर्वाद रहा तो वार्ड की दिशा और दशा में बदलाव होगा। आपको बता दें कि युवा सोच व विकास कार्य का जुनून रखनें वाले मैहर राजघराने की सदस्य इस बार चुनाव मैदान में है महारानी स्वर्णिम राजे महाराज अक्षय राज सिंह जूदेव यह नाम किसी परिचय के मोहताज नहीं है बल्कि इन्होंने मैहर क्षेत्र समेत वार्ड के विकास के बारे में हमेशा अपना योगदान दिया है और आज भी समाज सेवा, सामाजिक कार्यों में कई सालों से सक्रिय हैं। अक्षय राज सिंह जूदेव लगातार लोगों की मदद के लिए सक्रिय रहने वाले मैहर किला राजघराने के सदस्य हैं। यह सरकारी योजनाओं से ज्यादा स्वयं मददगार साबित रहने वाले लोगों में शुमार हैं। लोगों का भरोसा भी भरपूर है और इस भरोसे के चलते एक अच्छी स्वच्छ छवि के कारण इस बार मैहर नगर पालिका परिषद वार्ड 11 से पार्षद पद हेतु चुनाव मैदान में है। कांग्रेस पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित कर वार्ड 11 से टिकट देकर भरोसा जताया है महारानी स्वर्णिम राजे अक्षय राज सिंह जूदेव ने कहां की प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा महानगर पालिका चुनाव वार्ड 11 से हम पर उम्मीद जताते हुए हमें टिकट प्रदान की है ।

मैहर नगर निरीक्षक विद्याधर पाण्डेय की अगुवाई में बची कई जिंदगियां,पुलिस कप्तान और कलेक्टर ने किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । अपनी जान जोखिम में डालकर तीन तीन जिंदगियां बचाने वाली मैहर पुलिस की आज चहुँओर प्रशंसा हो रही है। मैहर पुलिस को सूचना मिली कि हरदुआ गाँव मे एक लड़का कुँए में गिर गया है जिसे बचाने कुँए में उतरे दो और ग्रामीण आक्सीजन की कमी के कारण बेहोस हो गए है पुलिस ने बिना समय गवाये एस डी ओ पी मैहर के निर्देशन में नगर निरीक्षक विद्याधर पाण्डेय की अगुवाई में हरदुआ गाँव पहुँची। जहाँ आनन फानन में पुलिस ने बिना समय गवाएं अपने जान को जोखिम में डालकर कुँए में उतर गई। और तीनों जिंदगियो को मौत के मुँह से लौटाने का कार्य किया। आपरेशन रिस्क भरा था क्योंकि पूर्व से दो लोग जो बचाने उतरे थे बेहोसी की हालत में जा चुके थे। मामले की जानकारी जैसे ही पुलिस कप्तान सतना और जिला कलेक्टर सतना को लगी तत्काल अपने विभागीय लोगो को दिशानिर्देश देते हुए मैहर के लिए रवाना हुए। दोनों ही अधिकारी थाना मैहर पहुँच नगर निरीक्षक विद्याधर पाण्डेय सहित उप निरीक्षक हेमंत शर्मा,श्री सेंगर जी सहित पुलिस जवानों को समानित करते हुए उनकी जांबाजी के लिए उनकी प्रशंसा की। निश्चित ही तत्परता के साथ आज मैहर पुलिस ने न केवल तीन जिंदगियां बल्कि उनके परिवार जनों को भी एक नया जीवन प्रदान करने का कार्य किया।

प्रिंस शर्मा मैहर भारतीय जनतापार्टी युवामोर्चा के पुनः अध्यक्ष बने........

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर ।भारतीय जनतापार्टी युवा मोर्चा मैहर के अध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत किये गए प्रिंस शर्मा। ज्ञात हो प्रिंस शर्मा विगत कई वषो से युवामोर्चा के अध्यक्ष पद पर पार्टी एवम संघटन के लिए कार्य कर रहे है। उनके कार्य को देखते हुए जिला एवम प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व ने प्रिंस शर्मा के कार्यपद्धति को देखते हुए पुनः विश्वास प्रकट करते हुए युवामोर्चा संघठन को मजबूत करने के लिए दायित्व प्रदान किया है। अपने अध्यक्ष बनने पर प्रिंस शर्मा ने पार्टी के सभी शीर्ष नेतृत्व, संघठन, कार्यकर्ता, पार्टी के एक एक सदस्य अपने सभी अनुयायियों शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट किया है। उन्होंने यह विश्वाश व्यक्त किया कि पार्टी ने जो मुझे जुम्मेदारी प्रदान की है उस पर मैं कर्मठता एवम निष्ठा से पार्टी के लिए कार्य करता रहूंगा पार्टी के साथ कंधा से कंधा मिलाकर सदा निष्ठा के साथ चलता रहूंगा । उन्होंने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

3 दिसम्बर विश्व दिव्यांग दिवस पर 13 विभिन्न श्रेणियों में पात्रता रखने वालों को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के अभ्यर्थी/संस्थाओं का आह्वान करते हुये जानकारी दी है कि प्रत्येक वर्ष 3 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार के लिये 13 विभिन्न श्रेणियों में पात्रता रखने वाले उन सभी अभ्यर्थी/संस्थाओं को भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पुरस्कार से संबंधित विस्तृत जानकारी तथा आवेदन पत्रों के प्रारूप भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग नई दिल्ली की वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी/संस्था द्वारा राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र समस्त अभिलेखों के साथ प्रस्ताव दो प्रतियों में 10 जुलाई तक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर जनपद गौतम बुद्ध नगर में उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पुरस्कारों के लिए क्रमशः निमन श्रेणियां सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित को राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं तथा सर्वश्रेष्ठ प्रेसमेन्ट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्रोत हेतु राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधार ।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया..................

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, आई टी ई ग्रुप (नोएडा हाट), फेलिक्स हॉस्पिटल, टायर शॉपी इंडिया प्रा. लि. एवम स्वानी फर्नीचर पॉइंट प्रा. लि. के संयुक्त प्रयास से आज नोएडा हाट सेक्टर-33, नोएडा में सुबह 7 बजे से योग दिवस का आयोजन कुशल योगाचायी द्वारा योग करवाए गए योग का जीवन मे महत्व भी बताया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि सांसद डॉक्टर महेश शर्मा पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार रहे।

भाजपा के आठों मण्डलो में कार्यक्रम हुए

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । अटल बिहारी वाजपेई मण्डल के सामुदायिक केंद्र सेक्टर 40 में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद डॉक्टर महेश शर्मा और मण्डल अध्यक्ष कल्लू सिंह रहे। प. दिन दयाल उपाध्याय मंडल के सामुदायिक केंद्र के सेक्टर 26 में नोएडा विधायक पंकज सिंह एवं मंडल अध्यक्ष लोकेश कश्यप रहे। महाराणा प्रताप मंडल के सामुदायिक केंद्र सेक्टर 35 में नोएडा महानगर ज.िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता एव मंडल अध्यक्ष गोपाल गौर रहे। शहीद भगत सिंह मंडल के सामुदायिक केंद्र , ग्राम गेझा में महिला आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती सुषमा सिंह, मंडल अध्यक्ष राम मेहर कौशिश रहे। सैनिक विहार मंडल के ग्राम कार्यालय में गोपाल अग्रवाल राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा और मंडल अध्यक्ष सूरज पाल राणा रहे।श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में जिला कार्यालय सेक्टर 116 में ज.िला प्रभारी बसंत त्यागी और मंडल अध्यक्ष पंकज झा रहे।कृष्णा नगर मंडल के राधा कृष्णा फार्म हाउस सेक्टर 70 में क्षेत्रीय मंत्री बिजेंद्र सिंह और मण्डल अध्यक्ष बबलू यादव रहे।सरस्वती शिशु मंडल के सी -41, सेक्टर 12 में योगेन्द्र चौधरी पूर्व ज.िलाध्यक्ष और मण्डल अध्यक्ष अशोक मिश्रा रहे इस मौक़े पर डॉक्टर महेश शर्मा ने सभी मंडल पदाधीकरियों से कहा, भारतीय जनता पार्टी कैसे भारत के निर्माण के लिए प्रतिज्ञाबद्ध है, हम भारत को शुद्ध समृद्ध एवं स्वाबलंबी राष्ट्र हो जिसका दृष्टिकोण आधुनिक प्रगतिशील एवं प्रबुद्ध हो और जो प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों से गर्व प्रेरणा ग्रहण करता हो उसी की दिशा में कार्यरत हैं। पूजनीय अटल बिहारी वाजपेई जब प्रधानमंत्री बने तब देश ने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाए, पोखरण परीक्षण घ्य् के बाद देश परमाणु शक्ति संपन्न बना। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी मेक इन इंडिया पर बहुत जोर दिया जा रहा है जिससे रक्षा मंत्रालय में बड़े पैमाने पर भारतीय कंपनी रक्षा उपकरणों पर कार्य कर रही है। विधायक पंकज सिंह ने कहा आप लोग केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। केंद्र की मोदी सरकार एवं उत्तर प्रदेश में योगी सरकार विकास के प्रति संकल्पित है अफवाहों ध्यान केंद्रित करने के बजाय समाज के भर्मित लोगों को समझाने एवं सरकार की नीतियों के फायेदे जन जन को बताए। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों के बारे में ज.िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया जिसमें 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योगा डे, 23 जून को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस 23 जून एवं उनका जन्मदिन 6 जुलाई को मनाया जाएगा। इस साथ ही 23 जून से 6 जुलाई तक वृक्षारोपण अभियान, 25 जून को आपातकाल दिवस और 26 जून को मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न कार्यकर्मी में महामंत्री चांदीराम यादव, डिम्पल आनंद, उमेश त्यागी, गणेश जाटव, उपाध्यक्ष मनीष शर्मा, युद्धवीर चौहान, गिरजा सिंह, मंत्री एसपी चमोली, अमरीश त्यागी, प्रमोद बहल, चमन अवाना, रवि यादव, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, हर्ष चतुर्वेदी, गौतम शर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य विभाग को शासन से दो 108 एंबुलेंस की दी सौग़ात

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा जनपद को 2 नई 108 एंबुलेंस स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराई हैं। जिला अधिकारी सुहास एल वाई के निर्देश पर शासन से प्राप्त दो नई 108 एंबुलेंस को जनपद के एंबुलेंस बीड़े में सम्मिलित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा, नोडल अधिकारी डॉक्टर जैयसलाल, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित विक्रम के द्वारा संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर शासन से प्राप्त दो नई 108 एंबुलेंस को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से रवाना किया गया। शासन से प्राप्त एंबुलेंस के साथ ही अब जनपद में 108 एंबुलेंस की संख्या 14 हो गई है जिनके माध्यम से जनपद वासियों को अधिकतम लाभ मिल सकेगा।

राहुल गाँधी जी के समर्थन में दिल्ली जा रहे काँग्रेस के कार्यकर्ताओं को उनके घरों में नजरबंद किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । फेज1थाना मे राहुल गाँधी जी के समर्थन में दिल्ली जा रहे काँग्रेस के कार्यकर्ताओं को उनके घरों में नजरबंद कर दिया है पीसीसी सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने कहा है कि काँग्रेस के कार्यकर्ता अपने नेता के लिए पीछे नही हटेंगे सँघर्ष करते रहंगे पुलिस की तानाशाही लगातार बढ़ती जा रही है काँग्रेस कार्यकर्ताओ को जबरन दिल्ली जाने से रोका जा रहा है ये सरेआम लोकतंत्र की हत्या है सभी को आवाज उठाने का अधिकार है विपक्ष की आवाज को पुलिस दबाना चाहती है हम लोग काँग्रेस के सच्चे सिपाही है डरने वाले नही है पुलिस कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके घरों में ही गिरफ़्तार कर रही है।वो भूल गए की हम लोग राहुल गांधी जी व प्रियंका गांधी जी के सिपाही है डरने वाले नही है,न पीछे हटने वाले है,थाना ले जाने वालों में पीसीसी सदस्य सतेन्द्र शर्मा,काँग्रेस नेता यतेंद्र शर्मा,सचिव जीतू शर्मा,प्रदेश महासचिव आउटरीच विक्रम चौधरी,पूर्व महासचिव दयाशंकर पांडेय रहे।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना मे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बेरोजगार ले सकते हैं ऋण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अंबुज कुमार ने जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्तियों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बेरोजगार व्यक्ति निर्माण क्षेत्र में धनराशि 50 लाख रुपए, साथ ही सेवा क्षेत्र के लिए धनराशि 20 लाख रुपए तक बैंकों के माध्यम से ऋण लेकर रोजगार शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पूर्व में व्यवसायिक गतिविधियां प्रतिबंधित थी किंतु अब उत्पादन से जुड़ी रिटेल शॉप/ट्रेडिंग पर ऋण के लिए बजट का 10 प्रतिशत की सीमा तक व्यवस्था कर दी गई है। पूर्व में स्थापित इकाइयों द्वारा निर्मित उत्पाद, खादी उत्पाद एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रमाणित उत्पादों के आउटलेट खोले जाने के लिए धनराशि 20 लाख तक की व्यवस्था कर दी गयी है। पूर्व में ट्रांसपोर्ट वाहनों पर भी वित्तपोषण के लिए योजना में कोई प्रावधान नहीं था किंतु अब निर्धारित लक्ष्य के अधिकतम 10 प्रतिशत अनुदान धनराशि ट्रांसपोर्ट वाहनों, कैब वैन आदि के क्रय पर व्यय की जा सकती है साथ ही पोल्ट्री, मत्स्य पालन, डेयरी, सेरीकल्चर के लिए ऋण की व्यवस्था कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यह योजना सभी प्रकार के पब्लिक सेक्टर बैंक, कॉपरेटिव बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एवं आर0बी0आई0 द्वारा नियंत्रित सभी प्रकार के शिड्यूल्ड प्राइवेट कॉमशिय्ल प्राइवेट बैंकों में लागू होगी। नवीनीकृत की गई योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लाभाथिर्यों को 25 प्रतिशत-35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के लाभाथिर्यों को 15 प्रतिशत-25 प्रतिशत तक के मार्जिन मनी अनुदान प्रदान करने का प्राविधान है। द्वितीय ऋण के लिए 3 वर्षों के उपरांत सफल इकाइयों को विस्तार के लिए धनराशि 01 करोड़ तक का ऋण एवं 15 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इच्छुक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यक्ति द्वारा इस योजना से लाभान्वित होने के लिए ऑनलाइन माध्यम से वेबसाइट .व्रम्दहत्व्हा.ुदन.ग्ह पर जाकर ज्सुज् ।-ज्र्दूत् पर क्लिक कर ख्द्धँ एजेंसी का चयन करते हुए आवेदन किया जा सकता है। योजना के तहत आवेदक की उम्र 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए साथ ही आवश्यक प्रपत्र यथा आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि अपलोड करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इच्छुक ग्रामीण वह शहरी क्षेत्र के व्यक्ति योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय कक्ष संख्या 206, 207 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते हैं।

नोएडा पुलिस और आर्मी वेटरन की शानदार पहल अग्निपथ योजना पर युवाओं को दिया संदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । देशभर में अगिन्पथ को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। आज भारत बंद का ऐलान भी किया गया है। इन सबके बीच नोएडा पुलिस और पूर्व सैनिकों ने एक अच्छी पहल की शुरुआत की है। नोएडा पुलिस और आर्मी वेटरन ने नोएडा मीडिया क्लब में संयुक्त प्रेस वार्ता कर अगिन्पथ को लेकर फैली अफवाहों को दूर किया है और बताया कि अगिन्पथ योजना कैसे लाभदायक है।नोएडा पुलिस आर्मी वेटरन ने द्वारा किए गए संयुक्त प्रेस वार्ता में नोएडा पुलिस से एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह मौजूद रहे। वहीं आर्मी बैटल कर्नल आईपी सिंह, कर्नल एसके वोहरा, कर्नल आरके भूषण, कर्नल एसके श्रीवास्तव, कर्नल शैलेन्द्र सिंह मौजूद रहे। इस दौरान कर्नल शैलेंद्र एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह और अन्य आर्मी वेटरन में अगिन्पथ के बारे में भ्रांतियों को दूर करने की कोशिश की। भारत को यंग आर्मी की जरूरत आर्मी वेटरन के कहा कि भारत को यंग आर्मी की जरूरत है। दुनियाभर के बड़े देशों में ऐसे सिस्टम चलते आ रहे है ऐसे में भारत मे भी इसकी जरूरत थी। इसके बाद आर्मी वेटरन ने बताया कि 25ज्ञ् जवानों को वापस रख लिया जाएगा। 75ज्ञ् को इतना ट्रेंड कर दिया जाएगा। ताकि आगे रिटायर होकर भी कई जगह जा सकते है। उनको कई सशस्त्र बल, पीएसयू, बैंक में प्राथमिकता दी जाएगी। सिस्टम को खत्म करना जरूरा आर्मी वेटरन ने आगे कहा कि पहले हाथ और तलवारों के साथ युद्ध लड़ा जाता था। अब जमाना टेकिन्कल लड़ाई का है। फौज को जवान रखना बेहद जरूरी है 30 से 35 साल में 80ज्ञ् तक रिटायर हो जाते हैं ऐसे में इस सिस्टम को खत्म करना जरूरी था। उन्होंने कहा कि सरकार ने उम्र सीमा 17 साल से 21 साल के बजाए 23 साल कर दिया है। ऐसे में क्योंकि वह पहले ही फिजिकल या मेडिकल में पास हो चुके हैं तो दोबारा उन्हें पास होने में कोई दिक्कत नहीं होगी, बल्कि अब भतिर्यों की संख्या बढ़ा दी गई है, जिससे उनके भर्ती होने के चांस और ज्यादा बढ़ जाएंगे। उपद्रवी भारतीय सेना के लायक नहीं अगनेपथ को लेकर हो रही हिंसा के बारे में बात करते हुए आर्मी वेटरन ने कहा कि जो भी जवान भारतीय सेना में जाना चाहते हैं, वो इतने डिसिप्लिन होते हैं कि इस तरह की हरकत कर ही नहीं सकते, जो भी लोग इस तरह की हरकत कर रहे हैं। वह भारतीय सेना के लायक नहीं है। इसलिए अगर फौज में जाना है तो इस तरह के हिंसा में जाने से बचना चाहिए। युवाओं को हिंसा से बचना चाहिए : रणविजय एडिशनल डीसीपी रणविजय सिंह ने कहा कि जो लोग भी हिंसा में शामिल हुए हैं पुलिस उनकी पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई कर रही है।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल जेवर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । प्रज्ञान पब्लिक स्कूल जेवर में युवाओं को कानून सम्बन्धी नियमों की जानकारी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन अतिथिगण अखिलेश कुमार तहसीलदार जेवर,मिस.निमिषा गुप्ता सिविल जज जूनियर डिवीजन जेवर, अशोक कुमार अधिशासी अधिकारी जेवर,विद्यालय के प्रबन्धक हरीश कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीप्ति शर्मा के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। विद्यालय के प्रबन्धक श्री हरीश कुमार शर्मा एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीप्ति शर्मा ने मुख्य अतिथिगण का पादप भेंटकर कर स्वागत किया ।विधिक साक्षरता शिविर में वक्ताओं ने कानून सम्बन्धी जानकारियाँ दी।अखिलेश कुमार ने प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के लिए मिलने वाली सरकारी सहायता सम्बन्धी एवं राजस्व से सम्बन्धित कानूनों के बारे में लाभकारी जानकारियाँ दीं। विधिक साक्षरता शिविर की मुख्य अतिथि मिस.निमिषा गुप्ता ने बाल-श्रम से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए बालश्रम को रोकने के लिए सभी को प्रेरित किया।मुख्य अतिथिगण द्वारा छात्र- छात्राओं एवं उपस्थित लोगों के राजस्व, बालश्रम एवं साइबर क्राइम सम्बन्धी प्रशनें के उत्तर दिए। विधिक साक्षरता शिविर में विद्यालय के समस्त शिक्षिका/शिक्षकगण छात्र-छात्राएँ एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

चक दे इंडिया' से 'साइना' तक, महिला खिलाडियों पर बनी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कैसा रहा हाल

नई दिल्ली । हिंदी सिनेमा में शायद ही कोई ऐसा विषय बचा हो जिस पर फिल्में न बनी हों। परिवार, दोस्ती, इतिहास, सामाजिक मुद्दे और खेल इनपर खूब फिल्में बनी हैं। जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा है। लेकिन खेल पर बनी गिनी-चुनी फिल्में ही ऐसी हैं जो पर्दे पर अपना जलवा दिखा पाई हैं, नहीं तो ज्यादातर औसत कमाई करके ठंडे बस्ते में चली गईं। बॉलीवुड में महिला खिलाड.ियों पर भी कई फिल्में बन चुकी हैं। कई महिला खिलाड.ियों की बायोपिक को पर्दे पर बहुत शानदार तरीके से दिखाया गया है। लेकिन महिला खिलाड.ियों कि जिंदगी से प्रेरित कुछ फिल्में ही ऐसी हैं जो बड़े पर्दे पर धमाल मचा पाई हैं, वहीं कई फिल्मों ने अच्छी कहानी होने के बाद भी सिनेमाघरों में दम तोड़ दिया। आज इस रिपोर्ट में हम आपको महिला खिलाड.ियों पर बनी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, साथ ही ये भी बताएंगे कि इन मूवीज ने कितनी कमाई की है। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म चक दे इंडिया महिला हॉकी टीम पर आधारित है। इस फिल्म ने शाहरुख खान ने महिला खिलाड.ियों के कोच कबीर खान की भूमिका निभाई है। इस फिल्म को दर्शकों ने जबरदस्त प्यार दिया था। फिल्म के कलाकारों की भी खूब तारीफ हुई थी। चक दे इंडिया का बजट 20 करोड़ रुपये था और फिल्म ने 109 करोड़ रुपये कमाए थे। 6 बार की विश्व बॉक्सिंग चैंपियन विजेता की जिंदगी पर बनी फिल्म मैरी कॉम ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। मणिपुर के एक छोटे से गांव में रहने वाली एक छोटी सी एथलीट कैसे कठिनाइयों को पार करते हुए एक वर्ल्ड क्लास एथलीट बन गई, ये फिल्म इसी पर आधारित थी। ओमंग कुमार की इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने मैरी कॉम का रोल निभाया था। 38 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 86.19 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडल विजेता गीता फोगाट और बबीता कुमारी के जीवन पर बनी ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। दंगल एक ऐसी सुपरहिट फिल्म थी, जिसमें गीता और बबीता के पिता पूर्व पहलवान महावीर सिंह फोगाट की यात्रा के बारे में भी दिखाया गया है कि कैसे एक पिता जो खुद गोल्ड जीतने की तमनन रखता है और कड़ी मेहनत करके अपनी बेटियों को विश्व स्तर पर गोल्ड जिताता है। 70 करोड़ की लागत से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 538.03 करोड़ का बिजनेस किया था। चंद्रो तोमर और प्रकाशी तोमर जिन्हें शूटर दादी के नाम से भी जाना जाता है, सांड की आंख फिल्म इन्हीं पर आधारित थी। उत्तर प्रदेश के जौहरी गांव की रहने वाली दो बुजुर्ग महिलाओं ने 60 साल की उम्र में शार्प शूटिंग स्किल से महिलाओं को प्रेरित किया है। चंद्रो तोमर ने 30 से ज्यादा और प्रकाशी तोमर ने 25 से ज्यादा नेशनल और इंटरनेशल चैंपियनशिप जीती है। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और तापसी पनन्नू मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म का बजट 25 करोड़ रुपये है और 30.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल के जीवन पर बनी इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में साइना के बचपन से लेकर अब तक के सफर को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन अमोल गुप्ते ने किया था। साइना का बजट 26 करोड़ रुपये था, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मात्र 1.51 करोड़ का कारोबार किया।

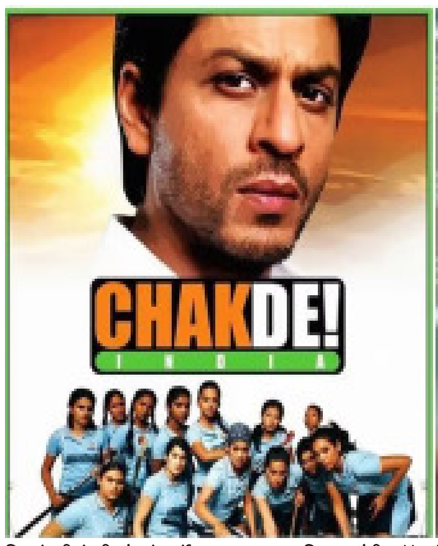

बॉक्स ऑफिस किंग बने कार्तिक आर्यन, क्या 'जुग जुग जियो' देगी 'भूल भुलैया 2' को कड़ी टक्कर

नई दिल्ली । सोमवार को बॉक्स ऑफिस टेस्ट में जहां कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 2' अच्छे अंकों के साथ पास हुई है। वहीं शिल्पा शेट्टी की 'निकम्मा' का बुरा हाल है। 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी कमल हासन की फिल्म 'विक्रम' अब 400 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने वाली रही है। वहीं बुधवार को रिलीज होने वाली 'जुग जुग जियो' की एडवांस बुकिंग रिपोर्ट सामने आ गई है। यदि आप इन साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की अब तक की कमाई के बारे में जानना चाहते हैं तो पढ़िए हमारी डिटेल बॉक्स ऑफिस रिपो 'बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिनेत्री कियारा आडवाणी की फिल्म 'भूल भुलैया 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। नवीनतम रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 262.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। बता दें कि यह अब तक की सबसे सफल हॉरर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। भूल भुलैया का सीक्वल दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही कारण है कि फिल्म ने 32वें दिन एक करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसके साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 182.91 करोड़ रुपये के पार चला गया है। निकम्मा, सिनेमाघरों में दर्शकों को आकर्षित करने में असफल हो रही है, और इसका असर इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर साफ नजर आ रहा है। अपने पहले वीकेंड पर कुल 1.51 करोड़ रुपये का कारोबार करने वाली निकम्मा ने चौथे दिन कुल 1.61 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यानी फिल्म ने चौथे दिन केवल 10 लाख रुपये की कमाई की है। राणा दग्गुबाती और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'विराट पर्वम' 17 जून 2022 को दुनिया भर में रिलीज हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने चार दिनों में कुल 3.76 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यानी फिल्म ने चौथे दिन 40 लाख रुपये की कमाई की है। कमल हासन की 'विक्रम' की रफ्तार धीमी होने के कोई संकेत नहीं दिखा रही है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 350 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है और अब 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने जा रही है। हिंदी बेल्ट की बात करें तो सोमवार को फिल्म ने 30 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। जिसके साथ इसके हिंदी संस्करण का कुल कलेक्शन 7.82 करोड़ रुपये हो गया है। अदिवि शेष अभिनीत 'मेजर', संदीप उननेकृष्णन के जीवन पर आधारित है। शशि किरण द्वारा निर्देशित फिल्म में शोभिता धूलिपाला, प्रकाश राज, रेवती नायर, सई मांजरेकर और मुरली शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। नवीनतम रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेजर ने अब तक दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 31.90 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन कर लिया है। रक्षित शेट्टी अभिनीत फिल्म '777 चार्ली' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। कम बजट में फिल्म बनी इस फिल्म ने सिर्फ 10 दिन के भीतर 59 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। सात दिन के भीतर 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने के बाद और अब 11वे दिन फिल्म ने कुल 59.5 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। वरुण धवन, कियारा आडवाणी, नीतू कपूर और अनिल कपूर अभिनीत फिल्म 'जुग जुग जियो' 22 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह पहले 10 करोड़ रुपये का कारोबार कर पाएगी।

पहली नजर में हुआ प्यार, फिर शादी के बाद तलाक तक पहुंची बात

नई दिल्ली । रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला पॉपुलर सेलेब कपल्स में शुमार हैं। दोनों वर्ष 2018 में आज ही के दिन शादी के बंधन में बंधे थे। बीच में इनके रिश्ते में काफी उतार-चढ़ाव आए और नौबत तलाक तक आ पहुंची थी। मगर, फिर दोनों ने समझदारी से काम लिया। टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' में दोनों ने एक साथ हिस्सा लिया और इस दौरान इनके गिले-शिकवे हमेशा-हमेशा के लिए दूर हो गए। इस खूबसूरत जोड़ी को पसंद करने वाले अक्सर इनकी प्रेम कहानी जानना चाहते हैं। आखिर दोनों की मुलाकात कैसे हुई और कैसे एक-दूसरे को दिल दे बैठे? तो आज हम आपको बताते हैं इनकी लव स्टोरी रुबीना और अभिनव शुक्ला की मुलाकात गणपति पूजा के दौरान एक कॉमन दोस्त के घर पर हुई थी। अभिनव ने जब रुबीना को पहली बार देखा तो देखते ही रह गए। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, 'जब मैं रुबीना से पहली बार गणपति पूजा के दौरान एक दोस्त के घर पर मिला था। मैं उनसे अपनी नजरें नहीं हटा पा रहा था, क्योंकि वह साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।' उन्होंने कहा कि आमतौर पर हमें लड़कियों को पश्चिमी कपड़ों में देखने की आदत है। इस बीच जब कोई लड़की साड़ी पहने और उसमें बेहद खूबसूरत नजर आएं तो उससे नजर नहीं हटती। 2015 में दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। अभिनव ने बात आगे बढ़ाने के लिए रूबीना के एक फोटोशूट पर कमेंट किया था। अभिनव ने रूबीना के फोटोशूट पर कमेंट कर कहा था कि वह रुबीना का एक फोटोशूट करना चाहते हैं। लेकिन, प्यार की पहल किसने की थी? इस बारे में एक मीडिया बातचीत के दौरान रुबीना ने कहा था, 'प्यार के मामले में पहल करने वाली वही थीं, क्योंकि उनके दिल को समझ में आ गया था कि यह रिश्ता दूर तक जाएगा।' रूबीना ने कहा था, 'जैसा आप प्यार के बारे में सोचते हैं या कल्पना करते हैं, यह बिलकुल वैसा ही था। इसीलिए, मैं उन्हें खोना नहीं चाहती थी। हीरे की परख सिर्फ जौहरी को होती है। मैं यह हीरा खोना नहीं चाहती थी। इसलिए मैंने इस हीरो को पाने की कोशिश की। इसलिए, पहल मैंने की थी।' रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' के एक एपिसोड में रुबीना ने इस बात का खुलासा किया था कि दोनों के बीच चीजों को लेकर काफी मतभेद रहे। इसी वजह से दोनों ने अलग होने का फैसला किया था। जिस समय दोनों 'बिग बॉस' के घर में गए थे तो दोनों का रिश्ता मुश्किलों से गुजर रहा था।

यश राज फिल्म्स का साथ मिलते ही पटरी से उतरी इस निर्देशक की गाड़ी, सुशांत से भी है कनेक्शन

नई दिल्ली । दिबाकर बैनर्जी 2006 में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले निर्देशक दिबाकर बैनर्जी का नाम उन डायरेक्टर्स की सूची में गिना जाता रहा है, जिन्होंने बॉलीवुड में उल्लेखनीय बदलाव लाने की कोशिश की। वह दिबाकर बैनर्जी ही थे, जिन्होंने मुंबई और उसके आसपास की कहानियों को बड़े पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास किया। और दर्शकों को 'खोसला का घोसला', 'लव सेक्स और धोखा' जैसी बेहतरीन फिल्में दी। हालांकि इंडस्ट्री में आने के कुछ सालों बाद निर्देशक ने सोलो फिल्में बनाना छोड़ दिया और यश राज फिल्म्स के साथ तीन फिल्में करने का कॉन्ट्रेक्ट कर डाला। शायद यह कदम उनकी जिंदगी का सबसे गलत कदम था। क्योंकि इसके बाद से ही दिबाकर बैनर्जी की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने लगीं। जी हां, यश राज फिल्म्स के साथ ने इस निर्देशक के उभरते करियर पर लगातार फ्लॉप फिल्में देने का ठप्पा लगा दिया। पढ़िए हमारी रिपोट खोसला का घोसला, 2006 में रिलीज हुई एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया है। जयदीप साहनी द्वारा लिखित इस फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, परवीन डबास, विनय पाठक, रणवीर शौरी और तारा शर्मा मुख्य भूमिकाओं में है। इस फिल्म में कमल किशोर खोसला की कहानी दिखाई गई है, जो अपनी जमीन को पुनः प्राप्त करने का प्रयास करता रहता है, जिसे एक बिल्डर खुराना ने जब्त कर लिया है। बता दें कि 3.75 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर कुल 6.67 करोड़ रुपये की कमाई की थी ओए लकी! लकी ओए!, अभय देओल, परेश रावल, नीतू चंद्रा, मनु ऋषि, ऋचा चड्ढा, मनजोत सिंह और अर्चना पूरन सिंह अभिनीत 2008 में रिलीज हुई एक भारतीय कॉमेडी फिल्म है।

इंटरनेट पर स्टारकिड की फोटोज शेयर करना पड़ सकता है भारी, जानें क्या कहते हैं बाल अधिकार

नई दिल्ली । बॉलीवुड स्टार्स की जिंदगी ग्लैमर और शोहरत से भरी होती है लेकिन इसी वजह से उन्हें कई बार परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है, क्योंकि स्टार्स से जुड़ी हर अपडेट को जानने में फैंस को खासा दिलचस्पी होती है। अक्सर देखने में आता है कि सेलेब्स कुछ चीजों को निजी रखना चाहते हैं और इसी वजह से ज्यादातर स्टार्स अपने छोटे बच्चों को लाइमलाइट से दूर रखने की कोशिश करते हैं, ताकि उन्हें एक सामान्य जीवन दिया जा सके। विराट-अनुष्का से लेकर कई ऐसे सेलेब्स हैं जो अपने बच्चों का चेहरा दिखाने या उनकी तस्वीरों को सर्कुलेट करने को लेकर काफी स्ट्रिक्ट हैं। तो चलिए जानते हैं इसे बारे में क्या कहते हैं बाल अधिकार। कुछ समय पहले जब विराट और अनुष्का की बेटी की तस्वीर वायरल हो गई थी तो उन्होंने अपील की थी कि ऐसा न किया जाए। विराट और अनुष्का का कहना है कि वह तब तक अपनी बेटी का चेहरा मीडिया को नहीं दिखाना चाहते जब तक कि वह इन सारी चीजों को समझने लायक न हो जाए। चाहें सेलिब्रिटी हो या फिर आम इंसान बच्चों के फोटो सोशल मीडिया पर डालते समय उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बेहद सावधानी बरतनी चाहिए। इस बारे में चाइल्ड राइट्स और निजता के अधिकार को जानना भी जरूरी हो जाता है। हर इंसान को निजता का अधिकार दिया गया है। हमारे संविधान में अनुच्छेद 21 के तहत इसके बारे में वर्णन किया गया है। जिसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को ये स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि यदि व्यक्ति चाहे तभी केवल उसकी जानकारी किसी अन्य व्यक्ति या संस्था के पास जा सकती है अन्यथा नहीं। इसके लिए उसे बाध्य नहीं किया जा सकता।

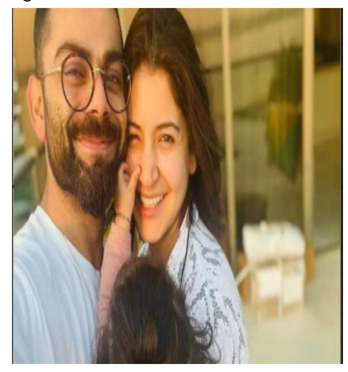

दो हफ्ते बाद ही रिलीज हो जाएगा फर्स्ट केस का सीक्वल, सेकंड केस में 'मेजर' के हीरो को मौका

नई दिल्ली । अपनी अतीत की यादों के चलते मानसिक बीमारी से जूझ रहे एक पुलिस अफसर की गर्लफ्रेंड एकाएक गायब हो जाती है। उसे छुट्टी से वापस बुलाया जाता है और लौटकर उसे पता चलता है कि इस मामले का कनेक्शन एक दूसरे मामले से भी है जिसमें एक असरदार परिवार की किशोरी लापता है। शक की सुई इस पुलिस अफसर पर भी है और मामले की जांच जिस पुलिस अधिकारी के पास है, उससे इसकी पटती नहीं हैं। मामला दिनों दिन पेचीदा होता जाता है। शक की सुइयां एक के बाद एक तमाम लोगों की तरफ घूमती रहती हैं। दायरे में कभी पड़ोसी आते हैं तो कभी घर वाले। ये कहानी है कोरोना संक्रमण काल शुरू होने से ठीक पहले रिलीज हुई तेलुगू फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' की। 'हिट' का मतलब यहां होमीसाइड इन्वेस्टीगेशन टीम से है। इस हिट तेलुगू फिल्म का सीक्वल 29 जुलाई को रिलीज होने जा रहा है और इसमें हीरो बने हैं फिल्म 'मेजर' से हिंदी पट्टी में भी मशहूर हुए अभिनेता अदिवि शेष। और, फिल्म की हिंदी रीमेक 15 जुलाई को रिलीज होना प्रस्तावित है। राजकुमार राव का संकट अभी तीन दिन पहले टी सीरीज ने अपनी अगली फिल्म फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का टीजर रिलीज किया है। इस टीजर में अभिनेता राजकुमार राव वैसा ही कुछ करते नजर आ रहे हैं जिसका जिक्र हमने इस खबर की शुरुआत में किया है। जी हां, सोच आप बिल्कुल ठीक रहे हैं क्योंकि राजकुमार राव की जो फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' 15 जुलाई को रिलीज होने जा रही है, उसकी ओरीजनल तेलुगू फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' को इन दिनों दर्शक प्राइम वीडियो पर खूब देख रहे हैं। फिल्म का हिंदी डब संस्करण भी यूट्यूब पर उपलब्ध है और राजकुमार राव की फिल्म का टीजर सामने आने के बाद से इनकी दर्शक संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। अदिवि शेष बने सीक्वल के हीरो तेलुगू फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' 28 फरवरी 2020 को रिलीज हुई। शैलेश कोलानू की लिखी और निर्देशित इस फिल्म में विश्वाक सेन और रुहानी शर्मा की जोड़ी है। साथ में अभिनेता मुरली शर्मा भी एक खास किरदार में नजर आते हैं। सिर्फ छह करोड़ की लागत से बनी इस तेलुगू फिल्म ने रिलीज के पहले वीकएंड में ही 8.5 करोड़ रुपये कमा लिए थे। शैलेश कोलानू ने इस फिल्म के हिट होने के बाद दो काम किए। एक तो इस फिल्म का सीक्वल तेलुगू में लिखा और उसकी शूटिंग शुरू कर दी। साथ ही साथ उन्होंने अपनी इस फिल्म को हिंदी में भी बनाने का फैसला किया और इसकी शूटिंग भी पूरी कर दी। तेलुगू फिल्म 'हिट द सेकंड केस' 29 जुलाई को रिलीज होने जा रही है और इसका टीजर भी जारी हो चुका है। इस फिल्म में 'मेजर' के हीरो अदिवि शेष को लीड रोल मिला है। 'हिट द फर्स्ट केस' का दिलचस्प केस हिंदी फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' में राजकुमार राव पुलिस अफसर बने हैं। उनकी गर्लफ्रेंड के किरदार में सान्या मल्होत्रा हैं और साथ में शानू कुमार व रोहन सिंह जैसे नए कलाकार भी हैं। जाहिर है शैलेश ने ये फिल्म हिंदी में बनाई है तो पूरे घटनाक्रम को उन्होंने हिंदी पट्टी में ही सेट कर दिया है। लेकिन फिल्म का ट्रेलर देखने से समझ आता है कि राजकुमार राव वाली उनकी फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' उनकी अपनी फिल्म तेलुगू फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' की फ्रेम टू फ्रेम कॉपी है। किसी तेलुगू फिल्म की हिंदी रीमेक रिलीज होने के 15 दिन बाद ही मूल फिल्म के रीमेक के भी रिलीज के लिए तैयार होने का ये अपनी तरह का अनोखा मामला है। दक्षिण भारत के चर्चित फिल्म निर्माता दिल राजू ने तेलुगू फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का हिंदी रीमेक टी सीरीज के साथ मिलकर बनाया है। और, ये इसके बावजूद कि फिल्म का हिंदी डब संस्करण पहले से यूट्यूब पर उपलब्ध है। ये कुछ कुछ फिल्म 'जर्सी' और 'अला वैकुंठपुरमुलू' जैसा मामला दिख रहा है। फिल्म 'जर्सी' के हिंदी डब संस्करण के यूट्यूब पर उपलब्ध होने को ही इसके शाहिद कपूर स्टारर हिंदी रीमेक की विफलता का मुख्य कारण माना जा रहा है। इसी तरह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू' का हिंदी डब संस्करण भी यूट्यूब पर उपलब्ध है और कार्तिक आर्यन इसकी हिंदी रीमेक 'शहजादा' को तेजी से पूरा करने में जुटे हैं।

मुगल-ए-आजम की बहार याद हैं अगर नहीं तो ये 10 किस्से ताजा कर देंगे हर बात

नई दिल्ली । बीते दौर के मशहूर गाने 'मेरे पिया गए रंगून' को शायद ही कोई ऐसा हो जिसने सुना ना हो। इस गाने में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने वाली अभिनेत्री निगार सुल्ताना अपने दौर की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से थीं। बीते दौर की ऐतिहासिक और सुपर हिट फिल्मों में से एक 'मुगल-ए-आजम' में बहार के किरदार में नजर आई निगार सुल्ताना आज भी अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए याद की जाती हैं। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानते हैं उनके जीवन से जुड़े 10 अनसुने किस्सों के बारे में- कम उम्र में ही अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वालीं निगार सुल्ताना ने अपने पिता के रहते हुए कभी भी अभिनय के बारे में नहीं सोचा था। हालांकि वह बचपन में स्कूल में होने वाले छोटे-मोटे नाटकों में हिस्सा लिया करती थीं, लेकिन अभिनय को अपना करियर बनाने के बारे में उन्हें ख्याल तक नहीं आया था 21 जून 1932 को जन्मी निगार हैदराबाद से ताल्लुक रखती थीं। उनके पिता एक फौजी थे, इसलिए उनकी परवरिश ऐसे माहौल में हुई जहां सिर्फ निडरता सिखाई जाती थी। निडर माहौल में पली-बढ़ी सुल्ताना असल जीवन में भी काफी बेखौफ और बिंदास थीं। कम उम्र में ही पिता देहांत के बाद निगार के कंधों पर घर की जिम्मेदारी आ गई थी। ऐसे में उनके पिता के दोस्त मशहूर कलाकार जगदीश सेठी ने उन्हें परिवार का जिम्मा उठाने की सलाह दी। बाद में अपने भाई से विचार-विमर्श करने के बाद निगार ने फिल्मी दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। 14 साल की उम्र में निगार ने साल 1946 में आई फिल्म रंगभूमि से फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत की। इसके बाद वह धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पकड़ बनाती चली गईं। वह साल 1948 में आई राज कपूर की फिल्म आग में नरगिस और यामिनी कौशल के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने मशहूर निर्देशक एस एम युसूफ से शादी की, जिससे उनकी एक बेटी हीना कौसर हुई, जो अपने दौर की जानी-मानी अभिनेत्री बनीं। शादी के कुछ साल बाद ही उस दौर के मशहूर निर्देशक के आसिफ ने निगार को अपनी ऐतिहासिक फिल्म 'मुगल-ए-आजम' में बहार का किरदार ऑफर किया। फिल्म में इस किरदार को पाकर जहां निगाह काफी खुश थीं तो वहीं उनके पति युसूफ इसके सख्त खिलाफ थे। दरअसल अभिनेत्री के पति के आसिफ के रंगीन मिजाज से वाकिफ थे। ऐसे में वह नहीं चाहते थे कि उनकी पतनी के आसिफ की इस फिल्म में काम करें। 'मुगल-ए-आजम' में उनके इस किरदार को लेकर पति-पतनी के बीच काफी मनमुटाव पैदा हो गया था। हालांकि निगार इस बात से भली भांति परिचित थी कि यदि वह इस फिल्म को करती हैं तो उनका कैरियर बुलंदियों पर पहुंच सकता है। ऐसे में उन्होंने पति के खिलाफ जाकर इस किरदार को हर कीमत में करने का इरादा बना लिया। निगार अपने इस फैसले पर इस तरह अडिग रही कि पति युसूफ से तलाक देने के बाद भी वह टस से मस नहीं हुई। फिल्म 'मुगल-ए-आजम' की शूटिंग के दौरान वही हुआ जिसका उनके पूर्व पति यूसुफ को डर था। आसिफ के काम को लेकर जुनून पर दिल हार बैठीं निगार अब आसिफ के आस पास ही रहने लगीं। वहीं के आसिफ भी निगार की खूबसूरत अदाओं पर फिदा हो चुके थे। ऐसे में दोनों ने फिल्म की शूटिंग पूरी होने से पहले ही शादी कर ली। उस समय के आसिफ पहले से ही शादीशुदा थे। उनकी पतनी का नाम सितारा था। अपने रंगीन मिजाज के लिए मशहूर के आसिफ ने पहली पतनी से पूछे और तलाक लिए बिना ही निगार से शादी कर ली। बाद में उन्होंने ऐसा ही निगार के साथ किया जब आसिफ ने बिना किसी खबर के दिलीप कुमार की बहन अख्तर से निकाह किया। हालांकि शुरू से ही बेखौफ माहौल में रहीं निगार, सितारा की तरह चुप नहीं रहीं और उन्होंने इस मामले में अपनी आवाज बुलंद की। अख्तर से शादी के बाद बिगड़ते माहौल को देख आसिफ ने निगार को तलाक दे दिया। लेकिन अभिनेत्री ने इसके बाद भी हार नहीं मानी और उन्होंने आसिफ के खिलाफ अदालत में शिकायत भी दर्ज करा दी। केस दर्ज कराते हुए निगार ने दलील दी थी कि सितारा के रहते आसिफ ने मुझसे शादी की और मेरे रहते अख्तर से। उन्होंने दोनों बार ही बिना किसी की इजाजत से शादी की है, जो गैरकानूनी है। आसिफ को गुनहगार ठहराने वाला यह मामला अदालत में लंबे समय तक चलता रहा। बाद में आसिफ के निधन के बाद निगार को उनकी संपत्ति में हिस्सा लेने के लिए भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

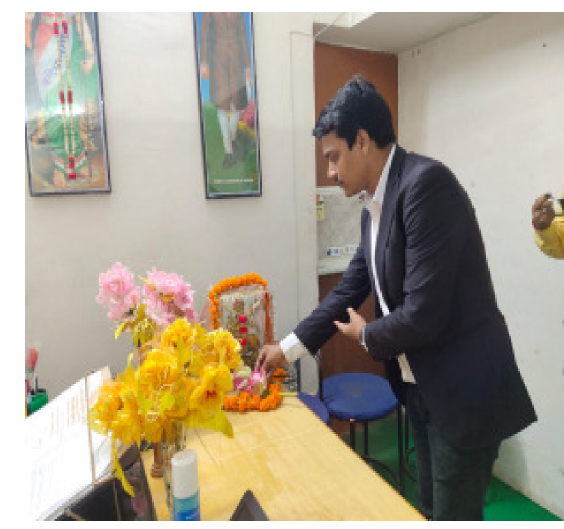

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

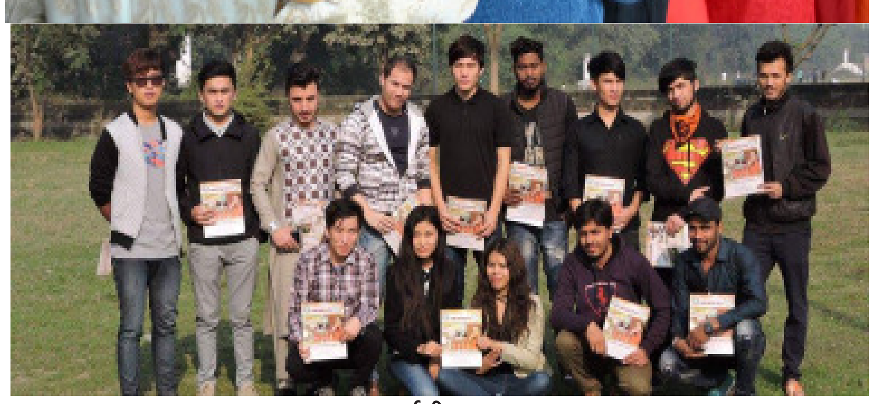

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायों मे अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेसन (सी०सी०ए०), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी०एन०सी० प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रकिया :– इस प्रकिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274